Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

मंत्र भारत

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 308
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

लखनऊ-शुक्रवार,06 मार्च 2026

लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 ऊंट पर सवार ब्रजेश पाठक तो खुली जिप्सी में बैठक | 4 सोनिया की सही सलाह | 5 मोटी कहकर गाने से किया था बाहर, छलका

गाजियाबाद में आरएसएस की समन्वय बैठक में शामिल हुए सीएम

गाजियाबाद (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को गाजियाबाद पहुंचे और नेहरू नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की महत्वपूर्ण समन्वय बैठक में शामिल हुए। बैठक में सीएम योगी ने संगठनात्मक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की और करीब 3 घंटे तक मौजूद रहे। सिटी मजिस्ट्रेट संतोष उपाध्याय के अनुसार, मुख्यमंत्री का कार्यक्रम सुबह 11.45 बजे शुरू हुआ। इस दौरान उन्होंने आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर गहन मंथन किया सूत्रों के मुताबिक, यह बैठक पूरे उत्तर प्रदेश में आयोजित होने वाली ऐसी समन्वय बैठकों की शुरूआत है, जिसकी पहली कड़ी गाजियाबाद से शुरू की गई है। बैठक के बाद सीएम योगी पुलिस लाइन पहुंचे और वहां से नोएडा के लिए रवाना हो गए। खास बात यह रही कि बैठक में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या, भाजपा के संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह या कोई अन्य प्रमुख भाजपा पदाधिकारी मौजूद नहीं रहे। गाजियाबाद जिले के कोई जनप्रतिनिधि भी बैठक के अंदर शामिल नहीं हुए। हालांकि, डीएम, पुलिस कमिश्नर, नगर आयुक्त, सीडीओ, जीडीए वीसी जैसे प्रशासनिक अधिकारी कार्यक्रम स्थल पर मौजूद थे, लेकिन वे भी बैठक कक्ष के अंदर नहीं गए। यह बैठक आरएसएस और सरकार के बीच बेहतर तालमेल, संगठनात्मक मजबूती और आगामी चुनौतियों पर फोकस वाली मानी जा रही है।

होली के दिन मारपीट, आक्रोशित व्यापारियों ने बाजार किया बंद

एसडीएम कार्यालय पहुंचे

श्रीनगर गढ़वाल (एजेंसी)। होली के दिन कीर्तिनगर नगर क्षेत्र में विवाद हो गया। कुछ युवकों और व्यापारियों में मारपीट हो गई। आज घटना के विरोध में व्यापारियों ने बाजार बंद किया है। कीर्तिनगर नगर क्षेत्र में होली के दिन हुए मारपीट की घटना के बाद आज स्थानीय लोगों, व्यापारियों ने उपजिलाधिकारी कीर्तिनगर कार्यालय व कोतवाली कीर्तिनगर का घेराव किया। इस दौरान व्यापारियों ने दोषियों पर कार्रवाई की करने की मांग उठाई। व्यापारियों का आरोप है कि होली के दिन कीर्तिनगर बाजार चेक पोस्ट के समीप कीर्तिनगर नैथाना के कुछ युवकों ने व्यापारियों के साथ अभद्रता की जिसके बाद कहासुनी मारपीट में बदल गया। इस दौरान एक व्यापारी के सिर पर गंभीर चोटें आई हैं। वहीं दो घायल हैं। गुस्साए व्यापारियों ने बाजार बंद रखा और एसडीएम कार्यालय पहुंचे। यहां व्यापारियों ने सुरक्षा व्यवस्था, नगर में सीसीटीवी कैमरों की नियमित संचालन, ओवर स्पीड समेत होली के दिन हुई मारपीट के दोषियों पर पुलिस कार्रवाई की मांग की।

छत्तीसगढ़ से राज्यसभा सीट के लिए लक्ष्मी वर्मा का नामांकन

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ से राज्यसभा की रिक्त सीट के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार लक्ष्मी वर्मा ने गुरुवार को विधानसभा पहुंचकर नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव और वरिष्ठ विधायक धरम लाल कौशिक प्रस्तावक के रूप में उपस्थित रहे। नामांकन प्रक्रिया के दौरान विधानसभा परिसर में पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं की सक्रिय मौजूदगी देखने को मिली। लक्ष्मी वर्मा के पहुंचने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू और सांसद बृजमोहन अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। इसे पार्टी की एकजुटता और संगठनात्मक ताकत के प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। वर्तमान में छत्तीसगढ़ से राज्यसभा में पांच सदस्य प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इनमें फूलो देवी नेताम और केटीएस तुलसी का कार्यकाल 10 अप्रैल को समाप्त हो रहा है। वहीं राजीव शुक्ला और रंजीत रंजन का कार्यकाल 29 जून 2028 तक जारी रहेगा। भाजपा के देवेन्द्र प्रताप सिंह का कार्यकाल दो अप्रैल 2030 तक निर्धारित है। राजनीतिक जानकारों के अनुसार, आगामी राज्यसभा चुनाव को लेकर प्रदेश की सियासत में हलचल तेज हो गई है और नामांकन के साथ ही चुनावी प्रक्रिया औपचारिक रूप से रफ्तार पकड़ चुकी है।

राज्यसभा चुनाव, सीएम नीतीश कुमार ने किया नामांकन

अमित शाह समेत एनडीए के कई नेता रहे मौजूद

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने बृहस्पतिवार को यहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में राज्यसभा के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। वर्ष 2005 से रिकॉर्ड 10 बार मुख्यमंत्री रहे कुमार और नबीन ने बिहार विधानसभा की सचिव ख्याति सिंह के कक्ष में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस मौके पर अमित शाह के अलावा दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा तथा राज्य सरकार के कई अन्य मंत्री भी मौजूद थे। इससे पहले दिन में नीतीश कुमार ने घोषणा की थी कि वह राज्यसभा का चुनाव लड़ेंगे, जिसके साथ ही बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने के उनके कार्यकाल का अंत हो जाएगा। कुमार ने कहा कि राज्य में उनकी नयी सरकार बनेगी, उसे उनका पूरा सहयोग और मार्गदर्शन मिलेगा। उन्होंने एक्स पर

एक पोस्ट में राज्य की जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, दो दशकों से अधिक समय तक आपने लगातार मुझ पर विश्वास और समर्थन बनाए रखा। इसी भरोसे की ताकत से हमने बिहार और आप सभी की पूरी निष्ठा के साथ सेवा की है। आपके विश्वास और समर्थन की शक्ति से ही आज बिहार विकास और गरिमा की नयी पहचान प्रस्तुत कर पा रहा है। कुमार ने कहा, संसदीय जीवन शुरू करने के समय से ही मेरे मन में एक इच्छा थी कि मैं बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों के साथ संसद के भी दोनों सदनों का सदस्य बनूं। इसी क्रम में इस बार हो रहे चुनाव में राज्यसभा का सदस्य बनना चाह रहा हूं। उन्होंने कहा, मैं आपको पूरी ईमानदारी से विश्वास दिलाना चाहता हूं कि आपके साथ मेरा यह संबंध भविष्य में भी बना रहेगा एवं आपके साथ मिलकर एक विकसित बिहार बनाने का संकल्प पूर्ववत कायम रहेगा। जो नयी सरकार बनेगी उसको मेरा पूरा सहयोग एवं मार्गदर्शन रहेगा। पिछले वर्ष नवंबर में हुए विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को प्रचंड बहुमत दिलाने के बाद कुमार के पद छोड़ने के साथ ही अब यह अटकलें हैं कि भारतीय जनता पार्टी का कोई नेता राज्य का नया मुख्यमंत्री बनेगा।

केवल सैन्य टकराव से मुद्दों का समाधान संभव नहीं

फिनलैंड के साथ जॉइंट प्रेस वार्ता में बोले पीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में चल रहे सैन्य टकराव के बीच भारत और फिनलैंड ने कानून के शासन तथा कूटनीति पर जोर देते हुए कहा है कि केवल सैन्य टकराव से किसी भी मुद्दे का समाधान नहीं निकल सकता। दोनों देशों ने पश्चिम एशिया और यूक्रेन में संघर्ष की शीघ्र समाप्ति और शांति स्थापना पर जोर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत यात्रा पर आये फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ गुरुवार को यहां द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य में कहा कि भारत और फिनलैंड ने प्रौद्योगिकी से लेकर रक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और प्रगाढ़ बनाने के लिये अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा देने का निर्णय लिया है। दोनों देशों ने विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए तीन समझौता ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर किए। दोनों देशों ने कानून के शासन में विश्वास व्यक्त करते हुए वैश्विक संस्थाओं में सुधारों की वकालत की है। उन्होंने सभी तरह के आतंकवाद जड़ से समाप्त करने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की। मोदी ने विश्व में अस्थिरता और अनिश्चितता का उल्लेख करते हुए कहा कि यूक्रेन से लेकर पश्चिम एशिया तक दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने कहा कि भारत और फिनलैंड दोनों कानून के शासन, बातचीत और कूटनीति में विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहा, हम एकमत हैं कि केवल सैन्य टकराव से किसी भी मुद्दे का समाधान नहीं निकल सकता। यूक्रेन हो या पश्चिमी एशिया, हम संघर्ष की शीघ्र समाप्ति और शांति के हर प्रयास का समर्थन करते रहेंगे। दोनों देशों के बीच सहयोग को और पुख्ता बनाने की सहमति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में दुनिया की दो बड़ी कूटनीतिक शक्तियों भारत और यूरोप का बढ़ता सहयोग वैश्विक स्थिरता, विकास और साझा समृद्धि को नई मजबूती दे रहा है। भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इससे उनके बीच व्यापार, निवेश और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग को और प्रबल होगा। दोनों देश डिजिटल प्रौद्योगिकी, ढांचागत और सततता जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण साझेदार हैं। दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे सहयोग पर उन्होंने कहा कि नोकिया के मोबाइल फोन और दूरसंचार नेटवर्क ने करोड़ों भारतीयों को जोड़ा है। फिनलैंड के वास्तुविदों के सहयोग से भारत ने चिनाब नदी पर विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज बनाया है। फिनलैंड की साझेदारी से भारत ने नुमालीगढ़ में दुनिया की सबसे बड़ी बांस से जैव इथेनॉल रिफाइनरी भी बनाई है। उन्होंने कहा कि इस सहयोग से प्रेरणा लेते हुए दोनों देशों ने संबंधों को डिजिटलाइजेशन और स्टेनेबिलिटी में रणनीतिक साझेदारी का रूप देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, यह साझेदारी 6 जी से लेकर 6 जी दूरसंचार, स्वच्छ ऊर्जा से लेकर क्वांटम कंप्यूटिंग, कई हाई-टेक क्षेत्रों में हमारे सहयोग को गति और ऊर्जा देगी। साथ ही रक्षा, अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर और महत्वपूर्ण खनिज जैसे प्रमुख क्षेत्रों में भी साझेदारी और गहरी होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और फिनलैंड जैसे लोकतान्त्रिक और जिम्मेदार देशों की यह रणनीतिक साझेदारी पूरे विश्व के लिए विश्वसनीय प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करने में योगदान देगी।

एनसीआर में 6 मार्च से बढ़ेगा रात का तापमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मौसम का मिजाज धीरे-धीरे बदलने लगा है। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार 6 मार्च से दिन के साथ-साथ रात के तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने की संभावना है, जिससे रातें भी पहले की तुलना में अधिक गर्म महसूस होंगी। मौसम विभाग के अनुसार 6 और 7 मार्च को आसमान मुख्य रूप से साफ रहने की संभावना है। इन दिनों मौसम में किसी बड़े बदलाव या खराब मौसम की चेतावनी नहीं दी गई है। राजधानी में अधिकतम तापमान करीब 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान लगभग 17 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार वातावरण में नमी का स्तर 40 से 80 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है।

खामेनेई के निधन पर भारत ने जताई संवेदना

विदेश सचिव ने ईरानी दूतावास में शोक पुस्तिका पर किए हस्ताक्षर

नईदिल्ली (एजेंसी)। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के निधन के बाद भारत ने आधिकारिक तौर पर शोक व्यक्त किया है। गुरुवार को भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने नयी दिल्लीस्थित ईरानी दूतावास पहुंचकर शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए और भारत सरकार की ओर से ईरान के प्रति संवेदना प्रकट की। इस दौरान भारत ने कहा कि वह इस कठिन समय में ईरान की जनता और सरकार के साथ एकजुटता और सहानुभूति व्यक्त करता है। खामेनेई का निधन 28 फरवरी 2026 को हुआ था। उनकी मौत अमेरिका और इजरायल के हवाई हमले में हुई। 86 वर्षीय खामेनेई 1989 से ईरान के सर्वोच्च नेता के रूप में सत्ता में थे और लगभग चार दशकों तक देश की राजनीति और विदेश नीति पर उनका निर्णायक प्रभाव रहा खामेनेई के निधन और पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव के बीच भारत ने सावधानीपूर्ण और संतुलित प्रतिक्रिया दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस पूरे घटनाक्रम पर चिंता जताते हुए क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने की

अपील की है। उन्होंने कहा कि किसी भी अंतरराष्ट्रीय विवाद का समाधान केवल सैन्य टकराव से नहीं हो सकता। प्रधानमंत्री के अनुसार, स्थायी समाधान के लिए संवाद और कूटनीति का रास्ता ही सबसे प्रभावी और टिकाऊ तरीका है। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव केवल क्षेत्रीय नहीं बल्कि वैश्विक चिंता का विषय है। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच भारत सरकार खाड़ी क्षेत्र में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर भी सक्रिय है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल के दिनों में खाड़ी क्षेत्र के आठ देशों के नेताओं से बातचीत की है।

भारत की तेल आपूर्ति खतरे में, फिर भी प्रधानमंत्री चुप :राहुल ने मोदी पर साधा निशाना

नईदिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष के दौरान भारत को होने वाली परेशानियों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घेरा है। राहुल गांधी की ओर से सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया, विश्व एक अस्थिर दौर में प्रवेश कर चुका है। आगे भयंकर संकट मंडरा रहा है। भारत की तेल आपूर्ति खतरे में है, क्योंकि हमारे आयात का 40 फीसदी से अधिक हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। एलपीजी और एलएनजी के

लिए स्थिति और भी बदतर है। राहुल गांधी ने लिखा है, संघर्ष हमारे पड़ोस तक पहुंच गया है, हिंद महासागर में एक ईरानी युद्धपोत डूब गया है। फिर भी प्रधानमंत्री ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। ऐसे समय में हमें एक स्थिर नेतृत्व की आवश्यकता है। इसके विपरीत भारत के पास एक ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जो समझौतावादी हैं और रणनीतिक स्वायत्तता को त्याग दिया है। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच गुरुवार को कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमतों में 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई है। सप्लाई पर असर पड़ने के कारण कीमतों में उछाल आया है, क्योंकि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) को बंद कर दिया है।

शादी के बंधन में बंधे अर्जुन तेंदुलकर और सानिया चांडोक

मुंबई (एजेंसी)। क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर और उनकी मंगेतर सानिया चंडोक की शादी की एक अंदर की तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। 5 मार्च को आयोजित इस खास समारोह की तस्वीर में परिवार और करीबी दोस्तों के साथ दूल्हा-दुल्हन बेहद खुश नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर ने फैंस को तेंदुलकर परिवार के निजी और भावुक पलों की झलक दी है। वायरल तस्वीर में अर्जुन और सानिया अपने करीबी परिवार और दोस्तों के साथ एक खूबसूरती से सजाए गए मंच के सामने खड़े दिखाई दे रहे हैं। बैकग्राउंड में पारंपरिक भारतीय अंदाज में सजावट की गई थी, जिसमें फूलों की झालरें, घंटियां और गुलाबी रंग के फूलों की सजावट शामिल थी। इस सजावट ने पूरे समारोह को बेहद गर्मजोशी और उत्सव जैसा माहौल दिया। शादी के मौके पर अर्जुन तेंदुलकर लाल रंग की कढ़ाईदार शेरवानी और फूलों की माला में बेहद आकर्षक नजर आए।

नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने पर तेजस्वी यादव ने कहा, यह जनता के साथ धोखा

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में आज ऐतिहासिक दिन होने

वाला है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब राज्यसभा जा रहे हैं। नीतीश कुमार ने खुद ही राज्यसभा जाने की पुष्टि कर दी। इधर पटना में नीतीश कुमार राज्यसभा के हैं पोस्टर लगे हैं। वहीं नीतीश के राज्यसभा जाने को लेकर पटना में जेडीयू के कार्यकर्ताओं ने विरोध-प्रदर्शन करना शुरू कर दिया है। वहीं तेजस्वी यादव ने नीतीश के राज्यसभा जाने पर कहा कि नीतीश के साथ हमारी सहानुभूति है। भाजपा ने बिहार में महाराष्ट्र मॉडल लागू किया है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा कि नीतीश कुमार के साथ हमारी सहानुभूति है। बीजेपी बिहार में महाराष्ट्र मॉडल लागू कर रही। हमने पहले ही कहा था नीतीश अब सीएम नहीं रहेंगे। बीजेपी स्वर स्टैंप वाला सीएम बनाती है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार चुनाव में जिस तरह भाजपा ने मशीन तंत्र का दुरुपयोग किया, उसे जनता ने देखा। बिहार में जन भावना के खिलाफ सत्ता का परिवर्तन हो रहा है। बिहार में कौन अधिकारी, मंत्री और केंद्र के किस नेता ने नीतीश कुमार को हाईजेक कर लिया है? वह जनता जानती है। यह जनता के साथ धोखा है। जनता ने वोट दिया था कि 2025 से 2030 फिर से नीतीश। लेकिन, भाजपा का लालच देखिए किस तरह से नीतीश कुमार से इस्तीफा दिलवाया जा रहा है।

राज्यसभा चुनाव 2026 के लिए बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने दाखिल करवाया नामांकन

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में आज एक नए अध्याय की शुरूआत हुई। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार, 5 मार्च 2026 को राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति ने इसे एनडीए के बड़े शक्ति प्रदर्शन में बदल दिया। नामांकन के दौरान गृह मंत्री अमित शाह के साथ बिहार के दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा भी मौजूद रहे। भाजपा ने नितिन नबीन

के अलावा शिवेश कुमार को भी अपना उम्मीदवार बनाया है। वहीं राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने भी एनडीए उम्मीदवार के तौर पर पर्चा भरा। बिहार की कुल 5 राज्यसभा सीटों के लिए यह द्विवार्षिक चुनाव होने जा रहा है। गृह मंत्री अमित शाह आज दोपहर पटना पहुंचे, जहाँ नितिन नबीन ने अपने आवास पर उनका स्वागत किया। इसके बाद शाह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की और उनके राजनीतिक जीवन के इस नए चरण के लिए उन्हें बधाई दी। नीतीश कुमार का राज्यसभा जाना बिहार और राष्ट्रीय राजनीति में एक बड़े बदलाव का संकेत माना जा रहा है। नामांकन से पहले भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने सुबह शहर के प्रमुख मंदिरों का दौरा किया। उन्होंने महावीर मंदिर, बांसघाट स्थित काली मंदिर और गोलघर के निकट अखंडवासिनी देवी मंदिर में पूजा-अर्चना की और सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी से सेवा करने का आशीर्वाद मांगा। यह चुनाव केवल बिहार तक सीमित नहीं है। अप्रैल 2026 में कार्यकाल पूरा कर रहे सदस्यों की जगह भरने के लिए 10 राज्यों (महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना) से कुल 37 नए सदस्य उच्च सदन का हिस्सा बनेंगे।

मिजोरम में खाद्यान्न आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण कदम: पंजाब से सैरांग तक 25,900 क्विंटल चावल रेल से पहुंचा, खाद्य आपूर्ति में सुधार हुआ

गोरखपुर: मिजोरम में यात्री और मालगाड़ी सेवाओं की शुरूआत के साथ यात्री परिवहन और माल ढुलाई में महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है। इस क्षेत्र में विकास होने से पर्यटन बढ़ने के साथ-साथ संपर्क में सुधार हुआ है और आर्थिक विकास में भी योगदान मिला है। एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) की पहली खाद्यान्न मालगाड़ी 3 मार्च, 2026 को सैरांग रेलवे स्टेशन पर पहुंची। इस मालगाड़ी में पंजाब से लगभग 25,900 क्विंटल चावल से भरे 42 डिब्बे थे। यह राज्य में रेल आधारित माल ढुलाई संपर्क को मजबूत करने और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति श्रृंखला को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सैरांग में एफसीआई

की खाद्यान्न मालगाड़ी के सफलतापूर्वक पहुंचने से बढ़ती परिचालन क्षमता का पता चलता है। इससे मिजोरम के रसद एवं खाद्य वितरण नेटवर्क को सहयोग देने में रेलवे अवसंरचना की बढ़ती भूमिका स्पष्ट होती है। यह उल्लेख करना आवश्यक है कि 13 सितंबर, 2025 को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 51.38 किलोमीटर लंबी बैराबी-सैरांग रेलवे लाइन का उद्घाटन मिजोरम के लोगों के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि थी। इस महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजना ने राज्य की राजधानी आइजोल को भारत के रेलवे मानचित्र पर ला खड़ा किया है। इससे राज्य सीधे राष्ट्रीय रेलवे नेटवर्क से जुड़ गया है। परिवहन में सुधार के अलावा, इस नई रेल लाइन से आर्थिक विकास के महत्वपूर्ण अवसर पैदा होने और पूरे क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। मिजोरम में माल ढुलाई का प्रदर्शन बैराबी-सैरांग खंड पर माल ढुलाई परिचालन चालू होने के बाद इसमें उल्लेखनीय गति आई है। यह उल्लेखनीय है कि उद्घाटन के तुरंत बाद 21 सीमेंट से भरे डब?बों वाली पहली मालगाड़ी को सफलतापूर्वक सैरांग ले जाने से राज्य में नियमित माल ढुलाई की शुरूआत हुई। अप्रैल 2025 से मार्च 2026 तक, सैरांग टर्मिनल ने 30 से अधिक मालगाड़ियों का संचालन किया गया। यह मिजोरम में रेल आधारित माल ढुलाई के क्रमिक विकास को दशार्ता है। इस अवधि के दौरान, टर्मिनल पर 3.5 रेक सीमेंट उतारी गई। सीमेंट के अलावा, रेल द्वारा संचालित अन्य वस्तुओं में ऑटोमोबाइल (2 रेक), उर्वरक (0.5 रेक), पत्थर के टुकड़े (20.5 रेक) और रेत (4 रेक) शामिल हैं। इन विविध वस्तुओं का संचालन सैरांग के एक उभरते माल ढुलाई केंद्र के रूप में बढ़ते उपयोग को दशार्ता है। यह बुनियादी ढांचे के विकास में सहयोग करता है और राज्य में निर्माण सामग्री और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति में सुधार करता है। गौरतलब है कि दिसंबर 2025 में सैरांग में 119 यात्री वाहनों को ले जाने वाली पहली मालगाड़ी पहुंची थी। इससे रेलवे लाइन की उच्च मूल्य वाले थोक माल को संभालने की क्षमता का पता चलता है। भारतीय रेलवे ने पार्सल लॉजिस्टिक्स को मजबूत करने के लिए भी कई उपाय शुरू किए हैं। इनमें बागवानी और नाशवान उत्पादों के परिवहन को सुविधाजनक बनाने के लिए रेफ्रिजरेटेड पार्सल वैन सेवाओं की शुरूआत शामिल है। इसका उद्देश्य स्थानीय किसानों और व्यापारियों के लिए बाजार तक पहुंच का विस्तार करना है। मिजोरम में पर्यटन को गति मिल रही है मिजोरम में नवनिर्मित रेलवे लाइन ने पर्यटन को बढ़ावा दिया है, इसके फलस्वरूप पिछले छह महीनों में राज्य में पर्यटकों की संख्या में लगातार वृद्धि देखी गई है।

सीआरपीएफ दरोगा की कार में आग, दो चाय दुकानों को भी फूंका

थरवई (प्रयागराज)। थाना क्षेत्र के कृष्णापुरी कॉलोनी में अराजक तत्वों ने मंगलवार देर रात सीआरपीएफ में तैनात दरोगा अजय नाथ गहलोत की सेंट्रो कार में आग लगा दी, जिससे कार जलकर राख हो गई। सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक वाहन पूरी तरह जल चुका था।

डिवाइडर से टकराई बाइक, दो युवकों की मौत

थरवई (प्रयागराज)। थरवई थाना क्षेत्र के मनसैता गांव के पास थरवईझ्र सहसो फोरलेन हाईवे पर बुधवार दोपहर तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई।सूचना पर पुलिस ने 108 एंबुलेंस से घायलों को सीएचसी कोटवा बनी भेजा, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान रुदापुर निवासी 22 वर्षीय मनोज कुमार गौतम व चंदापुर निवासी 25 वर्षीय राहुल कुमार गौतम के रूप में हुई। दोनों होली पर रिश्तेदारी में जा रहे थे।इंस्पेक्टर संतोष कुमार पांडे ने बताया कि बाइक तेज रफ्तार में थी। घटना से दोनों परिवारों में कोहराम मचा है।

डीआईजी मेडिकल ने कर्मचारियों संग मनाया होली मिलन

थरवई (प्रयागराज)। सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र थरवई स्थित संयुक्त चिकित्सालय

परिसर में बुधवार को होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डीआईजी मेडिकल डॉ. विनय अग्रवाल ने चिकित्सालय के डॉक्टरों व कर्मचारियों के साथ होली की शुभकामनाएं साझा कीं। इस अवसर पर डॉ. अजीत कुमार दिवाकर, डॉ. विपुल कुमार, डॉ. बी.सी. यादव, डॉ. शंकर लाल चाहर, निरीक्षक रूपम, निरीक्षक धर्मवीर, निरीक्षक राजेंद्र प्रसाद सहित संयुक्त चिकित्सालय के सभी स्टाफ मौजूद रहे। सभी ने एक-दूसरे कअबीर-गुलाल लगाकर होली की बधाई दी और आपसी सौहार्द का संदेश दिया।

वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 60 तथा वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 271 बर्थ उपलब्ध हैं

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व पर यात्रियों की सुगम यात्रा हेतु विभिन्न नगरों के लिये अनेक होली विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है। इन विशेष गाड़ियों में माह मार्च, 2026 के लिये 05 मार्च, 2026 को सायं बर्थ/सीट की उपलब्धता निम्नवत है।

-लालकुआँ से चलने वाली 05045 लालकुआँ-राजकोट विशेष गाड़ी में 15 मार्च, 2026 को शयनयान श्रेणी में 322 बर्थ तथा 22 मार्च, 2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 05 एवं शयनयान श्रेणी में 405 बर्थ उपलब्ध हैं।

-मऊ से चलने वाली 05301 मऊ-अम्बाला कैंट विशेष गाड़ी में 12 मार्च, 2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 102, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 293 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 79 बर्थ तथा 19 मार्च, 2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 04, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 103, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 345, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 129 एवं शयनयान श्रेणी में 123 बर्थ उपलब्ध हैं।

-बढ़नी से चलने वाली 05005 बढ़नी-अमृतसर विशेष गाड़ी में 11 मार्च, 2026 को शयनयान श्रेणी में 275 बर्थ तथा 18 मार्च, 2026 को शयनयान श्रेणी में 457 बर्थ उपलब्ध हं।

-गोमती नगर से चलने वाली 05023 गोमती नगर-खातीपुरा विशेष गाड़ी में 10 मार्च, 2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 17, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी 61 एवं शयनयान श्रेणी में 353 बर्थ उपलब्ध हैं।

-लालकुआँ से चलने वाली 05060 लालकुआँ-कोलकाता विशेष गाड़ी में 12 मार्च, 2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 06, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 54, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 211 एवं शयनयान श्रेणी में 54 बर्थ उपलब्ध हैं।

-गोरखपुर से चलने वाली 04513 गोरखपुर-चंडीगढ़ विशेष गाड़ी में 06 मार्च, 2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 07 बर्थ उपलब्ध हैं।

-गोरखपुर से चलने वाली 05634 गोरखपुर-नारंगी विशेष गाड़ी में 13 मार्च, 2026 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 111 बर्थ उपलब्ध हैं।

-मऊ से चलने वाली 09196 मऊ-वडोदरा विशेष गाड़ी में 08 मार्च, 2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 09, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 36 तथा वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 71 बर्थ एवं 15 मार्च, 2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 10, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 60 तथा वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 271 बर्थ उपलब्ध हैं।

भारत गौरव पर्यटक ट्रेन से डिवाइन राजस्थान विद उज्जैन यात्रा

नई दिल्ली : भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी), जो रेल मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम है, ने भारत गौरव पर्यटक ट्रेन के माध्यम से डिवाइन राजस्थान विद उज्जैन यात्रा नामक विशेष आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक टूर पैकेज की घोषणा की है। यह 11 रात और 12 दिन की यात्रा यात्रियों को राजस्थान की राजसी विरासत और उज्जैन की आध्यात्मिक आस्था का अनूठा अनुभव प्रदान करेगी। भारत सरकार की देखो अपना देश और एक भारत श्रेष्ठ भारत पहल को बढ़ावा देते हुए आईआरसीटीसी इस विशेष पर्यटन यात्रा का संचालन कर रहा है, जिसका उद्देश्य देश की समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर को यात्रियों तक पहुंचाना है। आईआरसीटीसी पश्चिम क्षेत्र (मुंबई) के ग्रुप जनरल मैनेजर श्री गौरव झा ने जानकारी देते हुए बताया कि यह विशेष पर्यटक ट्रेन 27 मार्च को सोलापुर से प्रस्थान करेगी। इस यात्रा के लिए यात्रियों को पुणे, लोणावला, कल्याण, वसई रोड और सूरत जैसे प्रमुख स्टेशनों से भी ट्रेन में चढ़ने की सुविधा उपलब्ध होगी। इस यात्रा के दौरान यात्रियों को उदयपुर की खूबसूरत झीलों का आनंद, नाथद्वारा में श्रीनाथजी

के दर्शन, पुष्कर तीर्थ, जोधपुर और जयपुर के ऐतिहासिक किले और महल, खाटू श्याम जी मंदिर के दर्शन तथा उज्जैन में भगवान महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन का अवसर प्राप्त होगा। यह यात्रा न केवल आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करेगी, बल्कि राजस्थान की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर को भी करीब से देखने का अवसर देगी। यात्रियों की सुविधा और बजट को ध्यान में रखते हुए इस ट्रेन में तीन श्रेणियों की व्यवस्था की गई है–

इकोनॉमी क्लास (स्लीपर) 19,900 प्रति व्यक्ति
स्टैंडर्ड क्लास (3 एसी) 31,920 प्रति व्यक्ति
कंफर्ट क्लास (2 एसी) 41,840 प्रति व्यक्ति

लगभग 750 यात्रियों की क्षमता वाली इस विशेष ट्रेन में सोलापुर, पुणे, कल्याण, वसई रोड और सूरत जैसे प्रमुख स्टेशनों पर चढ़ने और उतरने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। आईआरसीटीसी पश्चिम क्षेत्र, मुंबई के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. ए. के. सिंह ने बताया कि यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस यात्रा को ऑल-इनक्लूसिव पैकेज के रूप में तैयार किया गया है। इस पैकेज में रेल यात्रा, शुद्ध शाकाहारी भोजन, होटल में ठहरने की व्यवस्था, स्थानीय दर्शनीय स्थलों के भ्रमण के लिए बसें, टूर एस्कॉर्ट तथा यात्रियों के लिए यात्रा बीमा जैसी सुविधाएं शामिल हैं, ताकि यात्रियों को सुरक्षित, आरामदायक और यादगार यात्रा अनुभव प्राप्त हो सके। बुकिंग और अधिक जानकारी के लिए इच्छुक यात्री आईआरसीटीसी की आधिकारिक पर्यटन वेबसाइट या निकटतम आईआरसीटीसी पर्यटन कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

आजमगढ़ में दो जगह पुलिस मुठभेड़, गोतस्करी करने वाले चार बदमाश गिरफ्तार

आजमगढ़। यूपी के आजमगढ़ में दो थानों की पुलिस ने मुठभेड़ में चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। सभी गोतस्करी में लिप्त थे। इनके खिलाफ मुकदमे भी दर्ज हैं। एक आरोपी मौके से फरार हो गया है। आजमगढ़ पुलिस ने गोतस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई मुठभेड़ों में कुल चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इन मुठभेड़ों में दो शातिर गोतस्कर पुलिस की जवाबी कार्रवाई में घायल हो गए, जबकि एक आरोपी मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार बुधवार की रात निजामाबाद थाना क्षेत्र के नेवादा पुल के पास पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। चेकिंग के दौरान संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने पुलिस टीम पर जानलेवा फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने की कार्रवाई आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें हिस्ट्रीशीटर और शातिर गोतस्कर

मेराज गोली लगने से घायल हो गया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि उसका साथी नासिर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस ने मौके से एक अवैध तमंचा (.315 बोर), दो कारतूस, बिना नंबर प्लेट की चोरी की मोटरसाइकिल, एक मोबाइल फोन और 840 रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार घायल अभियुक्त मेराज के खिलाफ गोवध निवारण अधिनियम, आर्म्स एक्ट और गैंगेस्टर एक्ट समेत 17 से अधिक मुकदमे पहले से दर्ज हैं। बदमाशों को भेजा जेल वहीं दूसरी मुठभेड़ बृहस्पतिवार की भोर में फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मुड़ियार स्थित शाहिदा सुल्ताना स्कूल के आगे पुलिया के पास हुई। पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम कौड़िया (कुंवर नदी) में प्रतिबंधित पशु अवशेष मिलने के मामले में कुछ आरोपी सक्रिय हैं। पुलिस की घेराबंदी के दौरान बदमाशों ने फायरिंग कर दी, जिसके बाद हुई जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी मो. आमिर घायल हो गया। पुलिस ने मौके से कुल तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान एक अवैध तमंचा (.315 बोर), एककारतूस, दो चापड़ और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपियों ने सुनियोजित तरीके से गोवंश पकड़कर अवैध वध करने और मांस बेचने की बात स्वीकार की है। सीओ किरन पाल सिंह ने बताया कि फरार अभियुक्त की तलाश के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं और मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मुंबई से घर आए युवक की हत्या, खेत में दौड़ा-दौड़ा कर पीटा

भदोही। यूपी के भदोही जिले में एक परिवार में त्योहार की खुशियां उस वक्त मातम में बदल गईं जब गायब युवक की लाश खेत में मिली। युवक को बेरहमी से पीटा गया था। पुलिस ने तहरीर लेकर शव को कब्जे में ले लिया है। भदोही कोतवाली क्षेत्र के सियरहां गांव में बुधवार की रात में युवक विशाल सरोज (25) सुरेंद्र सरोज निवासी बरमोहनी की डंडे से पीटकर हत्या कर दी गई। बृहस्पतिवार को खेत में उसका शव मिलने से सनसनी फैल गई। करीब 100 मीटर तक युवक को घसीटा गया था। कई स्थानों पर खून फैला मिला। घटना की खबर मिलते ही दो थानों की पुलिस, फोरेंसिक, डाग स्क्वायड टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेज दिया। पुलिस ने गांव के ही पांच युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ में जुट गई। बरमोहनी गांव निवासी विशाल सरोज मुंबई में रहता था। एक सप्ताह पूर्व होली की छुट्टी लेकर घर आया था। बुधवार को दोपहर में वह होली खेलने के लिए, लेकिन शाम तक नहीं लौटा। काफी खोजबीन के बाद पता नहीं चला। बृहस्पतिवार की सुबह उसका शव सियरहां के जल निगम पानी टंकी के पास एक खेत में मिला। परिजनों में मचा कोहराम उसके सिर में गंभीर चोट के निशान मिला। खेत में ही उसे करीब 100 मीटर तक घसीटने का निशान मिला। घटना की जानकारी मिलते ही भारी संख्या में पुलिस बल गांव में पहुंच गई। फोरेसिंक टीम ने भी कई बिदुओं पर जांच किया। घटना से गांव में कोहराम मच गया। परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। मृतक विशाल तीन भाइयों में छोटा था। मृतक के

पिता सुरेंद्र सरोज ने हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दिया। पुलिस ने मामले में पांच युवकों को हिरासत में लिया है।

संक्षिप्त खबरें

वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 06, शयनयान श्रेणी के 06 तथा एल.एस.एल.आर.डी. के 01 कोच सहित 21 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व के उपरान्त यात्रियों की सुविधा हेतु 09111/09112 वडोदरा-गोरखपुर-वडोदरा साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी का संचलन वडोदरा से 09, 16 एवं 23 मार्च, 2026 दिन सोमवार को तथा गोरखपुर से 11, 18 एवं 25 मार्च, 2026 दिन बुधवार को शेष 03 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। यह गाड़ी अब आगरा फोर्ट के स्थान ईदगाह (आगरा) में ठहराव प्रदान करेगी। 09111 वडोदरा-गोरखपुर साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 09, 16 एवं 23 मार्च, 2026 दिन सोमवार को वडोदरा से 19.00 बजे प्रस्थान कर गोधरा से 20.10 बजे, रतलाम से 22.45 बजे, दूसरे दिन कोटा से 02.45 बजे, सवाई माधोपुर से 04.20 बजे, गंगापुर सिटी से 05.05 बजे, भरतपुर से 07.10 बजे, ईदगाह (आगरा) से 07.50 बजे, टूण्डला से 09.25 बजे, शिकोहाबाद से 10.02 बजे, मैनपुरी से 11.05 बजे, फरुर्खाबाद से 12.50 बजे, कानपुर सेंट्रल से 16.20 बजे, लखनऊ (उत्तर रेलवे) से 18.30 बजे, बाराबंकी से 19.15 बजे, गोंडा से 20.40 बजे तथा बस्ती से 22.10 बजे छूटकर गोरखपुर 23.30 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 09112 गोरखपुर-वडोदरा साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 11, 18 एवं 25 मार्च, 2026 दिन बुधवार को गोरखपुर से 05.00 बजे प्रस्थान कर बस्ती से 06.07 बजे, गोंडा से 07.30 बजे, बाराबंकी से 09.00 बजे, लखनऊ (उत्तर रेलवे) से 10.40 बजे, कानपुर सेंट्रल से 12.25 बजे, फरुर्खाबाद से 15.10 बजे, मैनपुरी 16.37 बजे, शिकोहाबाद से 17.49 बजे, टूण्डला से 19.05 बजे, ईदगाह (आगरा) से 20.10 बजे, भरतपुर से 21.22 बजे, गंगापुर सिटी से 22.33 बजे, सवाई माधोपुर से 23.08 बजे, दूसरे दिन कोटा से 00.35 बजे, रतलाम से 04.25 बजे तथा गोधरा से 07.17 बजे छूटकर वडोदरा 08.35 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेज यान का 01, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04, वातानुकूलित प्रथम श्रेणी का 01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 06, शयनयान श्रेणी के 06 तथा एल.एस.एल.आर.डी. के 01 कोच सहित 21 कोच लगाये जायेंगे।

पूर्वोत्तर रेलवे को स्क्रैप निस्तारण के फलस्वरूप कुल रू. 188 करोड़ से अधिक की आय

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन स्क्रैप निस्तारण के क्षेत्र में निरन्तर उल्लेखनीय प्रदर्शन कर रहा है। स्क्रैप निस्तारण से रेल राजस्व की प्राप्ति के साथ ही पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किये जा रहे प्रयासों को गति मिली है। स्क्रैप निस्तारण के परिणामस्वरूप रेल परिसर एवं रेल लाइनों के किनारे पड़ी निराकृत सामग्रियों के निस्तारण से, ये स्थल स्वच्छ एवं साफ-सुथरे हो रहे हैं। वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 में माह फरवरी, 2026 तक मिशन जीरो स्क्रैप के तहत स्क्रैप निस्तारण से रू. 188.51 करोड़ की आय हुई है तथा माह फरवरी, 2026 में स्क्रैप निस्तारण से रू. 19.19 करोड़ की आय हुई है। तथा रेल पटरियों के किनारे पड़े हुये निष्प्रयोज्य सामग्री, परित्यक्त इमारतों एवं आवासों की पहचान कर निस्तारण किया गया है, जिससे रेल राजस्व प्राप्त होने के साथ ही रेल परिसर तथा रेल पटरियों को स्वच्छ रखने में भी सफलता मिली है।

डीसीएम की टक्कर से अधेड़ की मौत

दुबौलिया। थाना क्षेत्र के राम जानकी मार्ग पर कुदरही गांव के पास सड़क पार करते समय डीसीएम की चपेट में आने से अधेड़ की मौके पर ही मौत हो गई। कुदरही गांव के गंगा सिंह 55 मंगलवार को दिन में एक बजे रामजानकी मार्ग पर सड़क पार कर रहे थे। इसी बीच दुबौलिया से छावनी की तरफ जा रही डीसीएम ने उन्हें जोरदार टककर मार दी। इससे उनके मौके पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गई। हालांकि परिजन इलाज के लिए सीएचसी हरैया ले गए। जहां पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची दुबौलिया पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थानाध्यक्ष जीवन त्रिपाठी ने बताया की शव को पीएम के लिए भेज दिया गया है।

हादसे में साइकिल सवार घायल

वाल्टरगंज। बस्ती-डुमरियागंज मार्ग पर ओसापुर के पास सोमवार की शाम करीब 6:30 बजे साइकिल सवार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में थाना क्षेत्र के कुसम्हा निवासी 40 वर्षीय राज कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजवाया। इसके बाद हादसे की जानकारी युवक के परिवार को दी गई।

11 सीएचसी में जल्द बनेगी एनबीएसयू

बस्ती। जिले की 11 सीएचसी पर एनबीएसयू (न्यू बार्न सिक यूनिट) बनेगा। यहां पर नवजात का इलाज किया जाएगा। अभी तक गंभीर नवजात को जिला अस्पताल या मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर किया जाता है। एनबीएसयू बन जाने से स्थानीय स्तर पर व तत्काल नवजात का इलाज शुरू हो सकेगा। यूनिट के क्रियाशील होने पर शिशु मृत्यु दर में कमी आएगी। सीएमओ डॉ. राजीव निगम ने बताया कि सीएचसी पर एनबीएसयू संचालित कराए जाने हैं, जिसके लिए उपकरणों की खरीद की जा रही है। इसके लिए शासन स्तर से शत-प्रतिशत एनबीएसयू की सुविधा सभी चिकित्सा इकाइयों पर किए जाने के लिए निर्देश प्राप्त हुआ है। उसी क्रम में यह तैयारी की जा रही है। बताया कि एनएचएम के बजट से एनबीएसयू के लिए जिले स्तर पर 66 इंफैंट वार्मर और 66 फोटो थेरेपी मशीन की खरीद हुई है। मशीनों की गुणवत्ता की जांच कराई जा रही है, इसके बाद इन मशीनों को चयनित सीएचसी पर भेजा जाएगा। विभाग का कहना है कि जिले में ब्लॉक स्तरीय 14 सीएचसी हैं, जिसमें से तीन पर पहले से ही एनबीएसयू बना है, शेष 11 सीएचसी के लिए यह व्यवस्था की जा रही है।

बरामदे में सो रही 12वीं की छात्रा की गोली मारकर हत्या

बस्ती। कलवारी थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले मंदीप नाम के सिरफिरे आशिक ने सोमवार की रात करीब 12:55 बजे बरामदे में सो रही गांव की ही नाबालिग छात्रा की गोली मार कर हत्या कर दी और भाग निकला। एक गोली सिर और दूसरी सीने में लगने से 12वीं में पढ़ने वाली छात्रा ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। एसपी डॉ. यशवीर सिंह ने बताया कि रेकी के आरोप में तीन युवकों को पकड़ा गया है और पूछताछ की जा रही है।

तीन दिन संतकबीरनगर में अपने जीजा के घर रुका था आरोपी

बस्ती। कलवारी क्षेत्र की छात्रा की हत्या के बाद गांव में मातम छा गया है और होली का उल्लास फीका पड़ गया है। पुलिस की जांच में पता चला है कि कलवारी थाना क्षेत्र में 12वीं की छात्रा की हत्या करने का आरोपी मंदीप तीन दिन से संतकबीरनगर जिले में अपने जीजा के घर रुका हुआ था। वहीं से छात्रा की रेकी करा रहा था। इसमें गांव के तीन युवक उसका सहयोग कर रहे थे। पुलिस तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। एसपी डॉ. यशवीर सिंह ने बताया कि आरोपी की लोकेशन मिल गई है।

टी20 विश्वकप नॉकआउट में सबसे ज्यादा बार पहुंचने वाली टीम कौन सी

मुंबई। टी20 वर्ल्ड कप 2007 से 2026 तक कई टीमों ने सेमीफाइनल में जगह बनाई, लेकिन भारत, पाकिस्तान, इंग्लैंड का दबदबा सबसे ज्यादा रहा। 2026 में भारत, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड अंतिम चार में पहुंचे। हालांकि न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर फाइनल में जगह बनाई। टीम इंडिया लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल खेल रही है। टी20 विश्वकप 2026 अब अपने अंतिम पड़ाव की तरफ बढ़ चला है। 52 रोमांचक मुकाबलों के बाद सेमीफाइनल की चार टीमें तय हो चुकी हैं। भारत, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, और न्यूजीलैंड ने अंतिम चार का टिकट हासिल किया है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया की भिड़ंत इंग्लैंड से होगी, जबकि पिछले सीजन फाइनल तक का सफर तय करने वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से हार गई। हम आपको नॉकआउट स्टेज यानी सेमीफाइनल में सबसे ज्यादा बार पहुंचने वाली टीमों के बारे में बता रहे हैं... टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में सेमीफाइनल तक पहुंचना किसी भी टीम के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। अब तक सबसे ज्यादा बार सेमीफाइनल खेलने का रिकॉर्ड तीन टीमों के नाम संयुक्त रूप से दर्ज है। इनमें भारत, इंग्लैंड और पाकिस्तान शामिल हैं।

ऊंट पर सवार ब्रजेश पाठक तो खुली जिप्सी में बैठक कर दिनेश शर्मा ने खेली होली

लखनऊ (संवाददाता)। नवाबों के शहर लखनऊ में होली के रंग बुधवार को जमकर बिखरे। पुराने लखनऊ के चौक इलाके में आयोजित पारंपरिक होली उत्सव में उत्साह का माहौल रहा, जहां उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा और अन्य भाजपा नेता आम लोगों के साथ मिलकर होली खेलते नजर आए। इस ऐतिहासिक होली जुलूस में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ऊंट पर सवार होकर पहुंचे, जबकि डॉ. दिनेश शर्मा खुली जिप्सी में सवार होकर एक-दूसरे पर पिचकारी और गुलाल से रंग डालते दिखे। ब्रजेश पाठक ने प्रेशर सिलेंडर

और बड़ी पिचकारियों से कार्यकताओं और भीड़ पर रंग बरसाया। जब दिनेश शर्मा ने उन पर रंग डाला, तो ब्रजेश पाठक ने चुनरी से मुंह ढककर मजेदार अंदाज में बचाव किया। विधायक डॉ. नीरज बोरा ने ढोल बजाते हुए होली की मस्ती में शामिल हुए। इस दौरान भाजपा पार्षद अनुराग मिश्रा अनु के नेतृत्व में होली बारात निकाली गई, जो चौक चौराहे से शुरू होकर विक्टोरिया स्ट्रीट, अकबरी गेट और गोल दरवाजा होते हुए वापस चौक पहुंची। बारात में हजारों समर्थक शामिल थे, जो ढोल-नगाड़ों, फाग गीतों और रंग-गुलाल के साथ झूमते रहे। डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा, चौक की यह होली ऐतिहासिक और बेहद खास है। आज ईरान-अमेरिका के बीच प्रेम की पिचकारी चले, यूक्रेन-रूस का युद्ध समाप्त हो और विश्व में शांति कायम रहे। अखिलेश यादव हों या मायावती, सभी एक होकर देश के विकास में जुटें। मायावती को जातिवाद से दूर रहना चाहिए। राहुल गांधी का विदेश प्रेम कम हो, हम यही कहेंगे कि वह एक से दो और दो से तीन हो जाएं। पूर्व सांसद लालजी टंडन के बेटे अमित टंडन ने बताया कि यह परंपरा अमृतलाल नागर और लालजी टंडन (बाबूजी) ने शुरू की थी। इसका मकसद था कि समाज के सभी धर्मों और वर्गों के लोग मिल-जुलकर होली मनाएं।

होली के दिन युवक को गोली मारने वाला युवक गिरफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। पीजीआई इलाके में होली के दिन गोली चलाने के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक देशी तमंचा और खोखा बरामद किया है। उसे गुरुवार को जेल भेज दिया गया। सुमन वर्मा, निवासी राजीव नगर, घोसीयाना खरिका तेलीबाग ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बुधवार को दोपहर करीब 2 बजे उनका बेटा अंकित वर्मा (उम्र 29 वर्ष) अपने साथियों जितेंद्र यादव और नरेंद्र त्रिपाठी के साथ होली खेलकर लौट रहा था। इसी दौरान राजीव नगर निवासी शोभित यादव ने अंकित को गाली देना शुरू कर दिया। मना करने पर शोभित ने अपने हाथ में लिए तमंचे से जान से मारने की नीयत से गोली चला दी। गोली अंकित के पेट को छूते हुए निकल गई, जिससे वह मौके पर ही घायल हो गया। उसे तुरंत ट्रामा-02 सेंटर ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे छुट्टी दे दी। घायल अंकित की मां सुनीता की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था। पुलिस पूछताछ में आरोपी शोभित यादव ने बताया कि करीब एक साल पहले उसके चाचा जितेंद्र यादव के बरक्षाध्तिलक समारोह में अंकित वर्मा से उसकी कहासुनी हुई थी। शोभित के अनुसार, बुधवार को जब वह अपने घर आ रहा था, तो अंकित वर्मा ने उसे रास्ते में रोककर गाली-गलौज की। इस पर उसने अपने लोवर में रखा तमंचा निकालकर अंकित पर जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया।

पूर्व एमएलसी का भतीजा बाल सुधार-गृह गया, दोस्त के माथे पर लगी, वो मर गया

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में 13 साल के छात्र की गोली लगने से मौत मामले में पूर्व बसपा एमएलए के भतीजे को बुधवार को बाल सुधार गृह भेज दिया गया। आरोपी किशोर ने पुलिस पूछताछ में बताया कि वह अपने पिता की रिवाल्वर चेक कर रहा था। इस दौरान गलती से गोली चल गई, जिससे दोस्त उनैज की मौत हो गई। एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा ने बताया किशोर ने गलती से गोली चलने की बात कबूल ली है। सीसीटीवी में घटना से पहले किशोर अकेले ही गाड़ी से रिवाल्वर लेकर जाते दिख रहा है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। उसके बाद ही कुछ और कहा जा सकता है। सरोजनीनगर के बेहसा गांव में रहने वाले जमीर खान इलेक्ट्रॉनिक की दुकान चलाते हैं। उनका बेटा उनैज स्टेलामेरी स्कूल में 7वीं कक्षा में पढ़ता था। जमीर ने बताया था कृष्णानगर में बालाजी कॉम्प्लेक्स में रहने वाले बिजनेसमैन संजीव त्रिपाठी के यहां सोमवार को बर्थडे पार्टी थी। संजीव का बेटा अपने दोस्त के साथ मेरे घर पहुंचा। बेटे को साथ ले जाने लगा तो मैंने मना कर दिया। लेकिन, लड़के जबरदस्ती उनैज को लेकर चले गए। बेटा भी दोस्ती के नाते चला गया। सोमवार शाम 7.30 बजे आरोपी के पिता संजीव त्रिपाठी ने मुझे वॉट्सऐप पर फोन किया। मेरे बड़े बेटे उसैद ने फोन उठाया था। संजीव ने फोन पर कहा था तुम्हारा भाई लोकबंधु में है, तुरंत अस्पताल आ जाओ। इसके बाद हम सभी लोग लोकबंधु अस्पताल पहुंचे। लेकिन, वहां हमें बच्चे से नहीं मिलने दिया गया। कुछ देर बाद पुलिस ने मृत अवस्था में बेटे को दिखाया था। जमीर खान ने आरोप लगाया था हत्या को छिपाने की कोशिश की जा रही है। इन लोगों ने रोजे वाले दिन बेटे को मार दिया। पोस्टमॉर्टम के बाद मंगलवार को शव घर पहुंचा था। जमीर से मिलने वालों का तांता लग गया। सभी लोग उसे ढांढस बंधाने में लगे थे। इस दौरान कई बार लोगों का पुलिस के खिलाफ आक्रोश भी देखने को मिला था। लोगों ने पुलिस प्रशासन मुदार्बाद के नारे लगाए थे। एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा और इंस्पेक्टर कृष्णानगर पीके सिंह ने पिता जमीर से बात कर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया था। बातचीत में जमीर ने एसीपी से कहा था मान लिया कार्रवाई में दो दिन लगेंगे। लेकिन, अगर यही अपोजिट होता। यही गोली मेरे बच्चे से उनके बच्चे को लगी होती तो पुलिस होती, झंडे होते, बुलडोजर होता और मेरा घर होता। पुलिस का डंडा हमारे सारे रिश्तेदार और मोहल्लेवालों पर चल गया होता। अगर पुलिस नहीं करती तो उनसे करवाया जाता। इसके अलावा कोई सवाल नहीं है जहन में। मेरा बच्चा तो चला गया। अब क्या बचा? आरोपी छात्र के चाचा अरविंद कुमार त्रिपाठी उर्फ गुड्डू त्रिपाठी बसपा से एमएलए रह चुके हैं। जिन्होंने बाद में भाजपा ज्वाइन कर ली थी। जमीर खान का आरोप है कि गोली गलती से नहीं लगी, बीच माथे पर सटाकर मारी गई है। इसके लिए कुछ लोगों ने मेरे बच्चे के हाथ-पैर भी पकड़े होंगे। आरोपी के पिता संजीव त्रिपाठी ने पेरेंट्स-टीचर मीटिंग में मुझे देख लेने की धमकी भी दी थी। मृतक के चाचा अतीक खान ने बताया उनैज का हत्यारोपी दोस्त गुड्डू पंडित का भतीजा है। गुड्डू पंडित डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के रिश्ते के साले हैं। छात्र की हत्या के मामले में पुलिस ने 6 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। इसमें दोस्त नवनीत, अभिनव, कार्तिकेय, नवनीत का ड्राइवर और उसके पिता संजीव त्रिपाठी व मां को नामजद किया है। पुलिस जांच में सामने आया संजीव त्रिपाठी के एलडीए मोड़ बालाजी काम्प्लेक्स कृष्णानगर स्थित घर में नीचे बने कमरे में पार्टी के दौरान गोली चली। रिवाल्वर संजीव के नाम पर है।

युवक को घेर कर बांका मारा, हालत गंभीर

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में मामूली कहासुनी में एक युवक पर बांके से ताबड़तोड़ वार किए गए। इससे उसके गर्दन पर गहरी चोटें लगी हैं। आसपास मौजूद लोगों ने युवक को बचाया। मौके से आरोपी फरार हो गया। घायल युवक के परिजनों ने तत्काल उसे नजदीकी अस्पताल ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने घायल युवक को ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। घटना की जानकारी तत्काल पुलिस को दी गई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना बुधवार शाम करीब 5 बजे जानकीपुरम थाना क्षेत्र के गुड़ियनपुरवा में हुई। घायल युवक सोनू शाम के वक्त अपने घर के पास मौजूद था। उसी समय पड़ोसी युवक से कुछ कहासुनी हुई। इसी में बात बढ़ने पर पड़ोसी युवक ने बांके से सोनू पर हमला कर दिया। वह लगातार बांके से वार करता रहा, जिसमें सोनू पूरी तरह लहूलुहान हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने दोनों को छुड़ाया। मौके से आरोपी युवक फरार हो गया। सोनू के परिजनों ने घायल अवस्था में नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। सोनू खाना बनाने का काम करता है। सोनू के पिता ने बताया कि शाम करीब पांच बजे सोनू अपने घर के पास होलिका के पास खड़ा था। इसी दौरान, पास के रहने वाले चार-पांच लोगों ने उसे अपने घर में ले जाकर बांके से हमला कर लहूलुहान कर दिया। घायल की बहन रिया ने बताया की पहले लड़ाई हुई थी। उसके बाद सुलह हो गया था। फिर कुछ देर बाद सभी लोग दोबारा मारने के प्लान से आए। तभी भाई पर बांके से कई बार गर्दन के पास मार दिया। सिर और गर्दन में गंभीर चोटें लगी है।

सैफई से ही शुरू होगा सरकार बनाने का रास्ता, होली पर अखिलेश ने दिया 2027 का संदेश

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सैफई में आयोजित होली महोत्सव के मंच से आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा राजनीतिक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में सरकार बनाने का रास्ता एक बार फिर सैफई से ही शुरू होगा और वर्ष 2027 में प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। उनके इस बयान को आगामी चुनावों की राजनीतिक शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि सैफई की धरती हमेशा से समाजवादी आंदोलन की दिशा तय करती रही है और यहीं से परिवर्तन की नई लहर उठेगी। उन्होंने पार्टी कार्यकताओं से आह्वान किया कि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करें और जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर संघर्ष तेज करें। इस मौके पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने भी कार्यकताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकताओं के लिए अनुशासन बेहद

जरूरी है। अनुशासन के बिना कोई भी संगठन अपने लक्ष्य को हासिल नहीं कर सकता। उनके इस बयान को संगठन के भीतर कार्यकताओं के लिए एक स्पष्ट संदेश के तौर पर देखा जा रहा है। अपने संबोधन में अखिलेश यादव ने अंतरराष्ट्रीय हालात का जिक्र करते हुए पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और युद्ध की स्थितियों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा युद्ध के खिलाफ रही है और देश को महात्मा गांधी द्वारा दिखाए गए सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलना चाहिए। सपा अध्यक्ष ने केंद्र सरकार की विदेश नीति और व्यापारिक समझौतों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका के साथ व्यापारिक समझौतों के कारण किसानों, विशेष रूप से आलू किसानों को नुकसान हो सकता है। साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जापान यात्रा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि बड़े-बड़े एमओयू किए जा रहे हैं, लेकिन प्रदेश की जनता को उसका वास्तविक लाभ नहीं मिल रहा। उन्होंने कहा कि प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों पर जीत हासिल करने के लिए संगठन को पूरी ताकत से काम करना होगा।

रंग-गुलाल डालने पर बवाल, 2 समुदायों के युवक भिड़े, जमकर ईंट-गुम्मे चले

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के दौलतगंज स्थित प्रभा देवी मंदिर के पास बुधवार को होली खेलने को लेकर दो समुदायों में विवाद हो गया। एक समुदाय के युवकों ने दूसरे पक्ष के युवक को पीट दिया। घटना का एक वीडियो सामने आया है। इसमें कुछ युवक मारपीट करते और भागते नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि गुलाल डालने को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि वीडियो की सत्यता की पुष्टि की जा रही है और दोषियों की पहचान की जा रही है। स्थानीय निवासी हिमांशु शुक्ला ने बताया दौलतगंज के सज्जादबाग के पास प्रभा देवी मंदिर है। यहां लोग मोहल्ले में होली खेल रहे थे। एक मुस्लिम युवक वहां से गुजर रहा था, जिस पर थोड़ा सा गुलाल पड़ गया। इस बात को लेकर विवाद हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, होली के अवसर पर कुछ युवक मंदिर के पास रंग खेल रहे थे। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक व्यक्ति पर हल्का गुलाल पड़ गया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में पहले बहस हुई और फिर कुछ लोगों ने कथित तौर पर ईंट-पत्थर (गुम्मा-अद्धा) चलाए। घटना के दौरान कुछ लोगों के साथ मारपीट की भी सूचना है। हालांकि आधिकारिक तौर पर किसी की गंभीर चोट की पुष्टि नहीं की गई है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया। स्थानीय थाने की टीम मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। क्षेत्र में एहतियातन अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वीडियो की जांच की जा रही है। फुटेज के आधार पर पहचान कर संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। साथ ही अफवाह फैलाने वालों पर भी नजर रखी जा रही है। घटना के बाद इलाके में स्थिति सामान्य बताई जा रही है। पुलिस ने दोनों पक्षों से बातचीत कर माहौल शांत कराया है। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें और सोशल मीडिया पर भड़काऊ सामग्री साझा नहीं करें। प्रशासन ने कहा है कि होली आपसी भाईचारे और सौहार्द का पर्व है। किसी भी छोटी बात को तूल न दिया जाए।

औरतों का धीरे आवाज से कुरान पढ़ना बेहतर

लखनऊ (संवाददाता)। रमजान हेल्पलाइन देश में इस किस्म की पहली हेल्पलाइन है। इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया के तहत दारूल निजामिया फरंगी महल में रोजेदारों की दीनी और शरअई रहनुमाई के लिए वर्ष 2001 में रमजान हेल्पलाइन कायम की गयी थी जिसकी मकबूलियत खुदा पाक के करम से आज भी बरकरार है। इस हेल्प लाइन से लोग फोन और म.उंपस के जरिए रोजा, नमाज, जकात ऐतिकाफ और दूसरे सवालात मुल्क और बाहर के मुल्कों से भी करते है। इन सवालात के जवाब मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली की अध्यक्षता में उलमा का एक पैनल देता है, लोग इन नम्बरों 9415023970, 9335929670, 9415102947, 7007705774, 9140427677 और म.उंपस रू तंइंदीमसचसपदम2005/हउंपसण्बवउ और वेब साइट,ूण्तिंदहपडींसण्पद पर सवाल पूछ सकते है।

सवालः 1 किया घर की नौकरानी को जकात की रकम दी जा सकती है?

जवाबः 1 जी हाँ! दी जा सकती है।

सवालः 2 औरतों का कुरान मजीद को जोर से पढ़ना कैसा है?

जवाबः 2 औरतों का धीरे आवाज से कुरान पढ़ना बेहतर है।

सवालः 3 किया जकात जिसको दी जाए उसको बताना जरूरी है?

जवाबः 3 नही उसको बताना जरूरी नही है।

सवालः 4 किया ऐतिकाफ करने वाला इमामत कर सकता है?

जवाबः 4 जी हाँ! इमामत कर सकता है।

सवालः 5 नमाज में अगर भूल से कोई वाजिब छूट जाए तो किया करें?

जवाबः 5 सजदा सहव कर लें, नमाज हो जायेगी।

माल थाने में पुलिसकर्मियों ने खेली होली

लखनऊ (संवाददाता)। होली के मुख्य दिन ड्यूटी पर तैनात रहने वाले पुलिसकर्मियों ने गुरुवार को माल थाने परिसर में उत्साह से पर्व मनाया। इंस्पेक्टर नवाब अहमद के नेतृत्व में माल थाने के पुलिसकर्मियों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाया, मिठाई बांटी और होली की शुभकामनाएं दीं। होली के दिन शांति व्यवस्था बनाए रखने के कारण त्योहार का पूरा आनंद न ले पाने वाले पुलिसकर्मी अगले दिन मिलकर खुशियां मनाते हैं। थाना प्रभारी नवाब अहमद ने बताया, ड्यूटी के दबाव में हम त्योहार नहीं मना पाते, इसलिए विभागीय परंपरा के तहत दूसरे दिन सब साथ मिलकर भाईचारे का संदेश देते हैं। कार्यक्रम में उपनिरीक्षक, मुख्य आरक्षी, आरक्षी समेत सभी पुलिसकर्मी शामिल हुए।

पिता को बचाने आए बेटे को पड़ोसियों ने चाकुओं से गोदा

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के दुबग्गा इलाके से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां मामूली विवाद ने इतना खौफनाक रूप ले लिया कि एक 22 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। आरोप पड़ोस में रहने वाले एक युवक, उसकी बहन और मां पर लगा है। पुलिस ने मुख्य आरोपी युवती को हिरासत में ले लिया है। घटना दुबग्गा के बेगरिया इलाके की है। जानकारी के अनुसार, बुधवार शाम करीब 5 बजे राजेंद्र गौतम अपने घर के बाहर पड़ोसी निशु से बात कर रहे थे। इसी दौरान गांव का ही रहने वाला मोहित मोटरसाइकिल से वहां पहुंचा और बिना किसी बात के गाली-गलौज करने लगा। जब राजेंद्र ने उसे टोकना चाहा, तो विवाद बढ़ गया और दोनों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। शोर सुनकर मोहित की मां रंजना और बहन शिवानी भी मौके पर पहुंच गईं। विवाद के बीच राजेंद्र का बेटा सूरज गौतम (22 वर्ष) अपने पिता को बचाने के लिए दौड़कर आया। आरोप है कि इसी दौरान शिवानी घर के अंदर से चाकू निकाल लाई और अपने भाई व मां के साथ मिलकर सूरज पर हमला बोल दिया। शिवानी ने सूरज के शरीर पर चाकू से कई वार किए, जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा। परिजन आनन-फानन में घायल सूरज को इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर लेकर भागे, लेकिन घाव इतने गहरे थे कि डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूरज एक प्राइवेट फर्म में काम करता था और घर का होनहार बेटा था। उसकी मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया है। दुबग्गा थाना प्रभारी श्रीकांत राय ने बताया कि इस मामले में हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी बहन शिवानी को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। घटना के बाद से फरार अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है।

ईरान के स्कूल पर इजराइली-अमेरिकी हमले की अखिलेश ने बताया निंदनीय

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई पर इजराइली-अमेरिकी हमले की निंदा की। इस हमले में खामेनेई की मौत हो गई थी। यादव ने ईरान के मीनाब शहर के एक स्कूल पर सबसे घातक इजराइली-अमेरिकी हमलों की भी कड़ी निंदा की, जिसमें 165 छात्राओं की मौत हो गई। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सपा दोनों घटनाओं की कड़ी निंदा करती है और शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती है। यादव ने कहा, श्जिनेवा कन्वेंशन और अंतरराष्ट्रीय कानून, जो संघर्ष के समय में भी मानव जीवन की रक्षा के लिए बनाए गए हैं, ऐसे कृत्यों से गंभीर रूप से खतरे में हैं। हम उनकी शहादत को नमन करते हैं और शोक संतप्त सभी लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। ईरान में अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमले में खामेनेई की मौत की खबर सामने आने के बाद एक मार्च से लखनऊ, अलीगढ़, मुजफ्फरनगर, रायबरेली सहित उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में बड़े स्तर पर प्रदर्शन हुए हैं।

संक्षिप्त खबरें

रेलवे लाइन पार कर रहा व्यक्ति ट्रेन से कटा

लखनऊ (संवाददाता)। बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र में गुरुवार को ट्रेन की चपेट में आने से 70 साल के बुजुर्ग कैलाश नाथ की मौत हो गई। यह हादसा इंदौरा बाग मोड़ के पास हुआ, जब वह रेलवे ट्रैक के करीब मौजूद थे। सीतापुर से लखनऊ की ओर आ रही एक ट्रेन की टक्कर लगने से कैलाश नाथ काफी दूर जा गिरे। उन्हें गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलने पर बख्शी का तालाब थाना पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है ताकि हादसे के कारणों का पता लगाया जा सके।

बहन से होली मिलकर लौट रहे युवक की मौत, हेलमेट न होने से सिर फटा

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के विकास नगर इलाके में रोड एक्सीडेंट में युवक की मौत हो गई। होली के त्यौहार में बहन की ससुराल से लौट रहा था। तभी स्कूटी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। बालू अड्डा हजरतगंज निवासी रवि सिंह (23) पुत्र राम आसरे प्राइवेट जॉब करता था। रवि बुधवार को होली के त्योहार पर अपनी बहन गुंजा से मिलने विकास नगर गया था। वहां से शाम करीब 4 बजे लौटते समय कुर्सी रोड पैलेस के पास स्कूटी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। रवि का सिर डिवाइडर से टकरा गया। उसके सिर से खून बहने लगा। वहां मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस की जांच में आया है कि रवि ने हेलमेट नहीं पहना था। अगर वह हेलमेट लगाया होता तो शायद जान बच सकती थी। सिर में गंभीर चोट लगने से जान चली गई।

स्कॉर्पियो की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

लखनऊ (संवाददाता)। निगोहां थाना क्षेत्र के नगराम रोड पर बुधवार देर शाम एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। यह घटना टाइटेनियम ग्लास फैक्ट्री के पास हुई। स्कॉर्पियो ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मोटरसाइकिल (यूपी 32 एचजेड 7741) को स्कॉर्पियो (यूपी 32 क्यूडब्ल्यू 0810) ने टक्कर मारी। हादसे में निगोहां थाना क्षेत्र के कासिमपुर निवासी सुनील पुत्र राम नरेश गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल सुनील को तत्काल एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगराम भेजा गया। वहां से गंभीर हालत देखते हुए उन्हें संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान के ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। स्थिति नाजुक बनी रहने पर डॉक्टरों ने उन्हें किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) भेज दिया। बताया जा रहा है कि केजीएमयू ले जाते समय रास्ते में ही सुनील ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर थाने पर खड़ा करवा दिया है। निगोहां थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी ने बताया कि मामले में तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। मौके पर शांति व्यवस्था कायम है।

धूप ने तेवर दिखाने शुरू किये

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में अब गुलाबी सर्दी विदा ले रही है और सूरज के तेवर तल्ख होने लगे हैं। मौसम विभाग (आईएमडी) की मानें तो प्रदेश में अब गर्मी का दौर शुरू हो चुका है और आने वाले एक हफ्ते में तापमान में भारी बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। फिलहाल, बारिश की कोई उम्मीद नहीं है, जिससे सूखी गर्मी लोगों को परेशान कर सकती है। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में गुरुवार से ही धूप ने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। आगरा, मथुरा, कानपुर और बुंदेलखंड के जिलों (बांदा, हमीरपुर, महोबा) में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका है। बरेली, मैनपुरी, गोरखपुर, देवरिया, गोंडा, बहराइच और बलिया समेत पूर्वांचल के जिलों में भी दोपहर के वक्त तेज धूप के कारण लोगों को गर्मी का अहसास हो रहा है। लखनऊ में गुरुवार को मौसम साफ रहने का अनुमान है। यहां अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है, जबकि न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। हालांकि, सुबह और शाम के समय अभी भी हल्की ठंडी हवाएं चल रही हैं, जिसे श्गुलाबी सर्दीश कहा जा रहा है, लेकिन दोपहर में स्थिति इसके उलट है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि पतझड़ की शुरूआत और तेज हवाओं के चलते वातावरण में नमी कम हो गई है। यदि यही स्थिति रही, तो मार्च के दूसरे सप्ताह तक यूपी के कई हिस्सों में तापमान 36 से 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

पुलिस लाइन में डीजे की धुन पर झूमे जवान, बग्घी पर सवार होकर पहुंचे पुलिस कमिश्नर

लखनऊ (संवाददाता)। होली के रंग आज लखनऊ पुलिस लाइन में भी जमकर बिखरे। ड्यूटी के बाद पुलिसकर्मियों ने त्योहार मनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र सेंगर बग्घी पर सवार होकर पुलिस लाइन पहुंचे, जहां हजरतगंज से निकली पुलिस की शोभायात्रा ने पूरे जोश के साथ एंट्री मारी। डीजे की धुन पर पुलिस अफसर और जवान जमकर थिरके। सीपी, जेसीपी, डीसीपी, एसीपी से लेकर कांस्टेबल तक सभी ने एक-दूसरे को गुलाल-अबीर लगाया, गले लगे और होली की बधाई दी। कई जगहों पर कुर्ते फाड़कर श्कपड़ा फाड़श स्टाइल में होली खेली गई, जो लखनऊ की पारंपरिक कैसरबाग होली जैसी मस्ती का अंदाज दे रही थी। सफेद कुर्ता-पायजामा और पगड़ी में नजर आए पुलिसकर्मी ढोल-नगाड़ों और होली गानों पर झूमते दिखे।यह आयोजन भाईचारे और आपसी सौहार्द का खूबसूरत संदेश देता है। ड्यूटी पर सख्ती से कानून-व्यवस्था संभालने वाली खाकी आज फाग के रंग में रंगकर नाचती-गाती नजर आई। पुलिस लाइन में यह होली मिलन समारोह हर साल की तरह इस बार भी धूमधाम से मना, जहां वरिष्ठ अधिकारी और जवान बराबरी से शामिल हुए।

थूककर रोटियां बनाने वाला कारीगर गिरफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के पारा इलाके में मुरादाबादी बिरयानी की दुकान पर काम करने वाला कारीगर रोटी बनाते समय उस पर थूकता नजर आया। किसी ने उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया, जिसके बाद मामला तूल पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक 2 मार्च को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें एक युवक रोटी बनाते समय उस पर थूकता नजर आ रहा था। वीडियो सामने आने पर पुलिस ने जांच शुरू की। जांच में पता चला कि वीडियो बुद्धेश्वर महादेव मंदिर के पास दूध मंडी के सामने मुरादाबादी बिरयानी की दुकान का है। इंस्पेक्टर पारा सुरेश सिंह के अनुसार, अनस के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। 4 मार्च को उसे गिरफ्तार कर लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए उसके खिलाफ शांति भंग के तहत भी कार्रवाई की गई। पुलिस का कहना है कि इस तरह की हरकत लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है। इससे गंभीर बीमारियों के संक्रमण फैलने की आशंका रहती है। संबंधित धाराओं के तहत दोषी पाए जाने पर आरोपी को छह महीने तक की सजा, जुमार्ना या दोनों हो सकते हैं। घटना के बाद इलाके में लोगों में नाराजगी है। पुलिस ने दुकानदारों को साफ-सफाई के नियमों का सख्ती से पालन करने की चेतावनी दी है।

सम्पादकीय

ईरान पर चुप्पी हमें शर्मसार करेगी

आप सुनिए मेरी बात। नैतिकता, आदर्श, सिद्धांत ये सब अपने घर-समाज के नियम हैं। विदेश नीति इनसे नहीं चलती है। वहां हर कोई अपना राष्ट्रीय हित साधने आता है। हमें भी यही करना होगा। यही हमारी सरकार कर रही है। आप खामखा उपदेश मत दीजिए। फिर अपने लहजे को हल्का करने की नीयत से मुस्कुराए और बोले, आपको वो गाना याद है, कसमे वादे प्यार वफा, सब बातें हैं बातों का क्या? कोई किसी का नहीं है, झूठे नाते हैं नातों का क्या। बातचीत शुरू ऐसे नहीं हुई थी। हम फिर पार्क में मिले थे। जैसा जमाने का दस्तूर है, चर्चा खेल और युद्ध पर चल रही थी। टी-20 पर चर्चा ऐसी, मानो खेल नहीं युद्ध चल रहा हो। और ईरान पर हमले और जवाबी हमले की चर्चा ऐसी मानो युद्ध नहीं खेल चल रहा हो। मिसाइल और लाशों को रन और विकेट की तरह गिना जा रहा था। हर हिंदुस्तानी कानून, देसी दवा और क्रिकेट के साथ-साथ अब सामरिक विषयों का एक्सपर्ट भी बन गया था। बुमराह को स्विंग और यॉर्कर सिखाने वाले एक्सपर्ट अब ट्रम्प को हवाई युद्ध और पश्चिम एशिया को कूटनीति सिखा रहे थे। ईरान की तबाही और तेल के दाम पर निरपेक्ष भाव से चर्चा चल रही थी, जैसे मैच से पहले पिच की समीक्षा हो रही हो। भारत के विकल्पों पर चर्चा हो रही थी। मेरे बोलने में जरूर कुछ तल्खी रही होगी। मैंने कहा, जरा एक मिनट के लिए सोचिए, अगर ईरान की जगह हम होते और अगर कोई ऐसी बातचीत कर रहा होता तो हमें कैसे लगता? आखिर किसी की बबार्दी पर हम इतनी चटपटी चर्चा कैसे कर सकते हैं? उन्हें बात नागवार गुजरी थी। हम ईरान की तुलना भारत से कैसे कर सकते हैं? वहां इस्लामी चरमपंथी मुल्लाओं का राज है। जनता उस तानाशाही से मुक्ति चाहती है। यूं भी ईरान ने अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी की नाक में दम कर रखा है। चोरी-छुपे एटम बम बना रहा है। उसे रोकना तो पड़ेगा न। इस तरह के तर्क सुनकर मेरे कान पक चुके थे। अमरीका को ईरान के लोकतांत्रिक होने या न होने से रत्ती भर फर्क नहीं पड़ता। सच यह है कि ईरान के पहले लोकतंत्र को खत्म करने का काम 1953 में अमरीका की सी.आई.ए. ने किया था। अमरीका ने ही ईरान पर राजशाही लादी थी, जिसके खिलाफ वहां इस्लामी क्रांति हुई थी। और जो भी बोले, अमरीका तो इस सवाल पर न ही बोले। इसमें कोई शक नहीं कि वहां इस्लाम के नाम पर जो शासन चल रहा है, उससे जनता में भारी असंतोष है। हाल ही में जनता ने विद्रोह किया था, जिसे ईरान की सरकार ने बेरहमी से कुचल दिया था। लेकिन क्या इससे अमरीका को वहां दखलअंदाजी का हक मिल जाता है? अमरीका का जब मन आए वेनेजुएला के राष्ट्रपति का अपहरण कर ले, जब चाहे ईरान के राष्ट्राध्यक्ष की हत्या कर दे। इसे हम कैसे देखते रह सकते हैं? मुझ जैसे लोगों को हमारी सरकार से लाख शिकायत है लेकिन इसका मतलब यह तो नहीं कि उसकी आड़ लेकर कोई विदेशी ताकत भारत की जनता को मुक्त करवाने के नाम पर भारत पर हमला कर दे। सीधी बात है-ट्रम्प को यह मंजूर नहीं कि ईरान उसके सामने सिर उठाकर चले। इसलिए उसने जोर-जबरदस्ती से वहां सत्तापलट करवाने की ठान ली है। एटम बम की बात सरासर झूठ है। अमरीका का रक्षा मंत्रालय कबूल कर चुका है कि ईरान एटम बम बनाने से कोसों दूर है। पिछले साल ईरान पर हमला करने के बाद ट्रम्प ने खुद कहा था कि ईरान के एटमी कार्यक्रम को नेस्तनाबूद कर दिया गया है। ईरान और अमरीका के बीच मध्यस्थता करने वाले बहरीन के विदेश मंत्री ने साफ कहा है कि ईरान लिख कर देने को तैयार था कि वह अभी या भविष्य में कभी भी एटम बम नहीं बनाएगा। अगर अमरीका को चोरी-छुपे एटम बम की चिंता है तो उसे सबसे पहले इसराईल और पाकिस्तान पर हमला करना चाहिए, जिनके पास अवैध एटम बमों का जखीरा है। सच कहूं तो एटम बम रोकने की सारी बात ही पाखंडपूर्ण है। खुद्द दसियों हजार एटम बम रखने वाला अमरीका किस मुंह से दूसरों को पहला बम बनाने से रोक सकता है? कम से कम भारत तो इस पाखंड में शामिल न हो। जब तक हमारे एटम बम को दुनिया की मान्यता नहीं मिली थी, तब तक यही उपदेश हमें भी दिए जाते थे। और बाकी दुनिया को हम यही कहते थे-तुम कौन होते हो हमें सिखाने वाले। हमें तो ईरान के साथ खड़ा रहना चाहिए। कल तक हमारे प्रधानमंत्री ईरान और भारत के ऐतिहासिक संबंधों की दुहाई देते थे। पश्चिम एशिया के कुछेक देश जो आड़े वक्त हमारे काम आए थे, उनमें से ईरान एक है। चलिए खड़े होने की हिम्मत नहीं है तो कम से कम उनके राष्ट्राध्यक्ष की हत्या पर अफसोस तो जता सकते थे। इतना तो अमरीका की पिट्ठू पाकिस्तानी सरकार ने भी कह दिया। पता नहीं ट्रम्प के पास ऐसी क्या चाबी है कि मोदी जी सामान्य शिष्टाचार का बयान भी नहीं दे सकते। सच कहूं तो मुझे शर्म आती है। पहले हमारा देश गरीब था लेकिन सिर नहीं झुकाता था। अमरीका के सातवें बेड़े के सामने हमारी कोई ताकत नहीं थी लेकिन इंदिरा गांधी अमरीकी राष्ट्रपति निक्सन को दो-टूक जवाब दे सकती थी। क्या हो गया है हमारी दृष्टि और आदर्शों को? बस मेरे मुंह से आदर्श सुनते ही उन्होंने पलटवार किया था और जंजीर का गीत याद दिलाया था।

रंगोत्सव होली के सियासी और सांस्कृतिक मायने

भारत में होली का राजनीतिक महत्व बहुत अधिक है जो सामाजिक एकता से सांस्कृतिक ध्रुवीकरण तक फैला हुआ है, जहां यह हिंदुत्व का प्रतीक और चुनावी मुद्दा बन जाता है। अतीत में झांकें तो ऐतिहासिक रूप से मुगल काल में यह रंगपर्व सांस्कृतिक समन्वय का प्रतीक भी बना रहा, जबकि आज यह सियासी रंग ले लेता है। रंगपर्व होली भले ही भारतीय सभ्यता-संस्कृति से अनुप्राणित है, लेकिन गुलामी काल में यह पाश्चात्य सभ्यता-संस्कृति के सामाजिक दुष्प्रभाव से भी यह अछूती नहीं बची है। आमतौर पर यह रंगोत्सव देश-दुनिया में हंसी ठिठोली का त्योहार समझा जाता है। इस दौरान आमलोगों में रंग-गुलाल खेलने के साथ-साथ मीठे पकवानों, नमकीन मांसाहारों और नशीले पदार्थों के सेवन जैसे (भांग), द्रव्य (शराब) और गैस (गांजा) का प्रयोग बहुतायत में देखने को मिलता है जिससे लोग झूम उठते हैं। आमतौर पर शुद्र यानी सेवक पर्व होली आपसी प्रेम और सौहार्द का प्रतीक है, जब घोर दुश्मन भी एक दूसरे के गले मिलने से नहीं हिचकते हैं। बदलते जमाने के अनुरूप लोकपर्व होली का रंगोत्सव भारतीय राजनीति में व्यक्तित्व ब्रांडिंग का भी पर्याय बन चुका है। यह वसंत पर्व अब सामाजिक-राजनीतिक ध्रुवीकरण, सांप्रदायिक तनाव और चुनावी रणनीति का प्रतीक बन गया है। लोकतांत्रिक भारत में यह प्रवृत्ति वर्ष दर वर्ष गहराती जा रही है। खासकर 2026 में ही बिहार, यूपी और अन्य राज्यों में नेताओं के बड़बोले बयानों ने इसे और उभार दिया। इससे सांप्रदायिक विवाद को भी बढ़ावा मिला। जहां बीजेपी विधायकों और अधिकारियों ने मुस्लिम समुदाय से होली पर घर में रहने या नमाज स्थगित करने की अपील की, जिससे विपक्ष ने ध्रुवीकरण का आरोप लगाया। वहीं यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हुड़दंगियों पर सख्ती का संदेश दिया, जबकि बिहार में शराबबंदी पर बहस ने इसे राजनीतिक रंग से जोड़ा। कहना न होगा कि अब ये बयान हिंदुत्व के

यह वसंत पर्व अब सामाजिक-राजनीतिक ध्रुवीकरण, सांप्रदायिक तनाव और चुनावी रणनीति का प्रतीक बन गया है। लोकतांत्रिक भारत में यह प्रवृत्ति वर्ष दर वर्ष गहराती जा रही है। खासकर 2026 में ही बिहार, यूपी और अन्य राज्यों में नेताओं के बड़बोले बयानों ने इसे और उभार दिया। इससे सांप्रदायिक विवाद को भी बढ़ावा मिला। जहां बीजेपी विधायकों और अधिकारियों ने मुस्लिम समुदाय से होली पर घर में रहने या नमाज स्थगित करने की अपील की, जिससे विपक्ष ने ध्रुवीकरण का आरोप लगाया। वहीं यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हुड़दंगियों पर सख्ती का संदेश दिया, जबकि बिहार में शराबबंदी पर बहस ने इसे राजनीतिक रंग से जोड़ा। कहना न होगा कि अब ये बयान हिंदुत्व के सियासी एजेंडे को मजबूत करने की भरपूर कोशिश दिखाते हैं। इससे चुनावी रणनीति भी प्रभावित होती है। बिहार में राज्यसभा चुनाव के दौर में होली पर नेताओं ने रंग खेलकर वोटरों से जुड़ने की कोशिश की। उधर, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के होली बहिष्कार के ऐलान पर बीजेपी ने हिंदू विरोधी करार दिया। देखा जाए तो ऐसे विवाद आने वाले चुनावों में सामाजिक ध्रुवीकरण का हथियार बन सकते हैं। लिहाजा इन्हें काबू में करने के लिए पुख्ता प्रशासनिक इंतजाम किये गए हैं। खासकर राज्यों में पुलिस ने सांप्रदायिक तनाव, स्टंटबाजी और अराजकता रोकने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया। सिर्फ दिल्ली में ही 15,000 जवान, ड्रोन और सीसीटीवी से निगरानी हो रही है। इजरायल-ईरान युद्ध के मद्देनजर पूरे देश में ऐसी ही निगरानी की जा रही है। ऐसे में यह सब इस महत्वपूर्ण त्योहार को शांतिपूर्ण बनाए रखने की चुनौती को भी दशार्ता है। भारत में होली का राजनीतिक महत्व बहुत अधिक है जो सामाजिक एकता से सांस्कृतिक ध्रुवीकरण तक फैला हुआ है, जहां यह हिंदुत्व का प्रतीक और चुनावी मुद्दा बन जाता है। अतीत में झांकें तो ऐतिहासिक रूप से मुगल काल में यह रंगपर्व सांस्कृतिक समन्वय का प्रतीक भी बना रहा, जबकि आज यह सियासी रंग ले लेता है। ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में यदि नजर डालें तो तो मौर्य काल से मुगल काल तक होली भव्यता से मनाई जाती थी, जहां अशोक और अकबर जैसे शासक खुद भी इसमें भाग लेते थे। तब भी यह सामाजिक बाधाओं को तोड़ने का अवसर था, और आज भी यह जाति-वर्ग भेद मिटाकर सामाजिक एकता और साम्प्रदायिक सद्भाव का संदेश देता था। आज आधुनिक समय में भी होलिका दहन बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक बनकर राजनीतिक संदेशों से जुड़ गया है। आधुनिक राजनीतिकरण की प्रवृत्ति में बीजेपी जैसे दल इसे हिंदू एकता के प्रतीक के रूप में प्रचारित करते हैं, जबकि विपक्ष बहिष्कार जैसे बयानों को ध्रुवीकरण बताता है। वर्ष 2026 में छत्तीसगढ़, बिहार में नेताओं के बयानों ने सांप्रदायिक तनाव बढ़ाया है।

सियासी एजेंडे को मजबूत करने की भरपूर कोशिश दिखाते हैं। इससे चुनावी रणनीति भी प्रभावित होती है। बिहार में राज्यसभा चुनाव के दौर में होली पर नेताओं ने रंग खेलकर वोटरों से जुड़ने की कोशिश की। उधर, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के होली बहिष्कार के ऐलान पर बीजेपी ने हिंदू विरोधी करार दिया। देखा जाए तो ऐसे विवाद आने वाले चुनावों में सामाजिक ध्रुवीकरण का हथियार बन सकते हैं। लिहाजा इन्हें काबू में करने के लिए पुख्ता प्रशासनिक इंतजाम किये गए हैं। खासकर राज्यों में पुलिस ने सांप्रदायिक तनाव, स्टंटबाजी और अराजकता रोकने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया। सिर्फ दिल्ली में ही 15,000 जवान, ड्रोन और सीसीटीवी से निगरानी हो रही है। इजरायल-ईरान युद्ध के मद्देनजर पूरे देश में ऐसी ही निगरानी की जा रही है। ऐसे में यह सब इस महत्वपूर्ण त्योहार को शांतिपूर्ण बनाए रखने की चुनौती को भी दशार्ता है। भारत में होली का राजनीतिक महत्व बहुत अधिक है जो सामाजिक एकता से सांस्कृतिक ध्रुवीकरण तक फैला हुआ है, जहां यह हिंदुत्व का प्रतीक और चुनावी मुद्दा बन जाता है। अतीत में झांकें तो ऐतिहासिक रूप से मुगल काल में यह रंगपर्व सांस्कृतिक समन्वय का प्रतीक भी बना रहा, जबकि आज यह सियासी रंग ले लेता है। ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में यदि नजर डालें तो तो मौर्य काल से मुगल काल तक होली भव्यता से मनाई जाती थी, जहां अशोक और अकबर जैसे शासक खुद भी इसमें भाग लेते थे। तब भी यह सामाजिक बाधाओं को तोड़ने का अवसर था, और आज भी यह जाति-वर्ग भेद मिटाकर सामाजिक एकता और साम्प्रदायिक सद्भाव का संदेश देता था। आज आधुनिक समय में भी होलिका दहन बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक बनकर राजनीतिक संदेशों से जुड़ गया है। आधुनिक राजनीतिकरण की प्रवृत्ति में बीजेपी जैसे दल इसे हिंदू एकता के प्रतीक के रूप में प्रचारित करते हैं, जबकि विपक्ष बहिष्कार जैसे बयानों को ध्रुवीकरण बताता है। वर्ष 2026 में छत्तीसगढ़, बिहार में नेताओं के बयानों ने सांप्रदायिक तनाव बढ़ाया है। चुनावी वर्षों में रंग खेलना वोटर जुड़ाव की रणनीति है। जहां तक सामाजिक प्रभाव की बात है तो होली अब हुड़दंग या सांस्कृतिक एजेंडे से जोड़कर देखी जाती है, जो सामूहिकता को राजनीतिक लाभ में बदल देती है। यह प्रेम-एकता का संदेश देने के बजाय धार्मिक भावनाओं को उकसाने का माध्यम बन चुका है। खासकर नेताओं द्वारा होली पर रंग लगाने की परंपरा अब आधुनिक राजनीतिक प्रचार का हिस्सा बन चुका है, जो भगवान श्रीकृष्ण द्वारा शुरू की गई पौराणिक रंग खेलने की प्रथा से अभिप्रेरित है। वर्तमान दौर में यह जनता से सीधा जुड़ाव बनाने और निज छवि सुधारने की रणनीति के तौर पर देखा जाने लगा है। पौराणिक आधार पर यदि गौर फरमाएं तो रंग लगाने की परंपरा द्वापर युग से कृष्ण-राधा लीला से जुड़ी है, जहां कृष्ण ने अपनी मां यशोदा के सुझाव पर राधा को रंग लगाकर समानता का संदेश दिया। इसलिए ब्रज क्षेत्र में यह प्रथा लोकप्रिय हुई, जो बाद में पूरे भारत में फैली है। प्राचीन काल में प्राकृतिक रंग जैसे टेसू के फूलों से शुरू हुई यह परंपरा सामाजिक एकता का प्रतीक बनी। बाद में राजनीतिक लोगों ने भी इसे अपनाना शुरू कर दिया।आजादी के बाद नेताओं ने इसे चुनावी लाभ के लिए अपनाया; पंडित नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, अटल बिहारी बाजपेयी से लेकर वर्तमान नेता जैसे नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ तक रंग खेलकर जनसंपर्क बढ़ाने की परंपरा अनवरत रूप से जारी है। तमाम वृत्तांत पढ़े देखे सुने जा सकते हैं। 2026 में बिहार, यूपी में राज्यसभा चुनावों के दौरान चिराग पासवान जैसे नेताओं ने इसे वोटर जुड़ाव के हथियार बनाया। यह हिंदुत्व एजेंडे को मजबूत करने और ध्रुवीकरण का माध्यम भी बन गया। जहां तक सामाजिक प्रभाव की बात है तो यह परंपरा दुश्मनी भुलाने का संदेश देती है, लेकिन सियासत में ध्रुवीकरण बढ़ाती है। नेताओं के रंग लगाने से पार्टी कार्यकताओं का उत्साह बढ़ता है।

सी.बी.आईः अपने आका की आवाज, सांठगांठ का ब्यूरो

पूनम आई. कौशिश

मध्य -पूर्व में ईरान के विरुद्ध अमरीका और इसराईल द्वारा युद्ध छेडने के बाद सारे विश्व में हाहाकार मचा हुआ है, तो भारत में भाजपा और आप सी.बी.आई. की विशेष अदालत द्वारा दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित 23 आरोपियों को दिल्ली आबकारी नीति 2021 के मामले में अनियमितता और रिश्वतखोरी में भूमिका के लिए उन्हें बरी करने से एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। स्पष्ट रूप से सी.बी.आई. इस निर्णय से असहमत है और वह अपील करेगी किंतु अभी तक 2009 के 2जी घोटाले में अंतिम निर्णय नहीं आया और यह अभी उच्च न्यायालय में ही पड़ा है। किंतु यह महत्वपूर्ण नहीं है। कोई भी समाज षड्यंत्र, अपराध और भ्रष्टाचार से ऊपर नहीं है। अमरीका ने एपस्टीन फाइल खोली। इस मामले में केजरीवाल की आप कठघरे में थी, जिससे उनकी पार्टी को सत्ता से हाथ धोना पड़ा। पद पर रहते हुए किसी मुख्यमंत्री को जेल भेजा गया और यही पिछले वर्ष दिल्ली विधानसभा चुनावों में मुख्य मुद्दा बना, जिसमें भाजपा की जीत हुई। इससे स्पष्ट होता है कि हमारे राजनेता हमेशा सी.बी.आई. जांच की मांग क्यों करते हैं। जो नेता सत्ता में होते हैं वे एजेंसी को अपनी उंगलियों पर नचाते हैं। यह एक दंतविहीन शेर है जो अपने मित्रों की सहायता करता है और विरोधियों के साथ राजनीतिक हिसाब चुकता करता है, क्लीन चिट देता है, राजनीतिक लीपापोती करता है और कानून प्रवर्तकों को कानून तोडने वाला और अपराध तथा भ्रष्टाचार को वैध बनाता है। ऐसे अनेक आरोप हैं कि एजेंसी का उपयोग किस तरह राजनीतिक विरोधियों को धमकाने और दबाने के लिए किया जाता है, चाहे कांग्रेस की सरकार में हो या मोदी सरकार में। राजनीतिक विरोधियों पर छापे डाले जाते हैं और इसमें प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग एजेंसी के सहयोगी बन जाते हैं। प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की जाती है, घंटों तक पूछताछ की जाती है, चार्जशीट बनाई जाती है। महत्वपूर्ण मामले में धीमी कार्रवाई की जाती है, जांच में गड़बड़ी की जाती है या उसे अधूरा छोड़ दिया जाता है या बिल्कुल नहीं की जाती। परिणामस्वरूप होता यह है कि अंततरू सी.बी.आई. मामले को सिद्ध नहीं कर पाती। यदि ऐसे मामले में आरोपी मान जाता है तो दबाव कम कर दिया जाता है और यदि नहीं मानता तो दबाव बढ़ा दिया जाता है। दुखद तथ्य यह है कि आज व्यवस्था ऐसी हो गई है कि जो भी दल सत्ता में आता है, सी.बी.आई. उसकी कठपुतली बन जाती है। अपने विरोधियों को दबाने के लिए सी.बी.आई. का दुरूपयोग किया जाता है, चाहे कोई भी दल सत्ता में हो। देश के 19 राज्यों में विभिन्न अदालतों में सांसदों और विधायकों के विरुद्ध 3211 मामले लंबित हैं। इनमें कुछ ऐसे मामले भी हैं, जिनकी जांच सी.बी.आई. द्वारा की जा रही है। इससे एजेंसी की प्रतिष्ठा खराब हुई है क्योंकि वह आरोपों के समर्थन में अपेक्षित साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर पाती। इससे भ्रष्टाचार को समाप्त करने की उसकी ईमानदारी और विश्वसनीयता पर भी आशंकाएं पैदा होती हैं। सी.बी.आई. जांच में मुख्य बात यह होती है कि हमेशा कहा जाता है कि उचित प्रक्रिया का पालन किया जाएगा, किंतु सत्तारूढ़ वर्ग द्वारा अपने राजनीतिक विरोधियों के विरुद्ध सी.बी.आई. को एक औजार बनाया जाता है। जब एजेंसी धनशोधन निवारण अधिनियम के कठोर प्रावधानों को लागू करती है तो यह अपेक्षा की जाती है कि ठोस साक्ष्य होंगे और मामला भी ठोस बनाया जाएगा। किंतु जब ये मामले न्यायालय में विचारण से पहले ही गिर जाते हैं तो इससे राजनीतिक उद्देश्यों के बारे में प्रश्न उठते हैं। समय आ गया है कि सी.बी.आई. जांच के उच्च मानक स्थापित करे। उसे यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि उसे न केवल कानून से, अपितु जनता के विश्वास से भी शक्ति मिलती है और जब वह गलत या स्वार्थ प्रेरित जांच करती है तो इससे संस्थागत विश्वसनीयता भी समाप्त होती है। इसका तात्पर्य यह नहीं है कि भ्रष्टाचार के मामलों की जांच नहीं होनी चाहिए या हमारे नेताओं को विशेष छूट मिलनी चाहिए। वास्तविकता यह है कि जवाबदेही अपरिहार्य है। किंतु इसके लिए सी.बी.आई. को पारदर्शी ढंग से कार्य करना होगा और कानूनी रूप से उचित प्रमाण और साक्ष्य जोडने होंगे। उसे अपने राजनीतिक माई-बाप के इशारों पर न तो कार्य करना चाहिए और न ही ऐसा दिखना चाहिए कि वह उसके इशारे पर कार्य कर रही है क्योंकि ऐसी धारणा से जनता का कानून के शासन में विश्वास कमजोर होता है और भ्रष्टाचारियों के हौसले बुलंद होते हैं। गत वर्षों में विभिन्न सरकारें सी.बी.आई. को स्वायत्तता देने और उसके कार्यकरण में सुधार की बात करती रही हैं, किंतु दुर्भाग्यवश अभी तक ऐसा नहीं हो सका। ऐसी स्थिति बन गई है कि जवाबदेही सुनिश्चित करने की बजाय सी.बी.आई. को राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर सूचना के अधिकार अधिनियम के दायरे से बाहर रखा गया है। प्रधानमंत्री मोदी अक्सर शासन में पारदष्शता की बातें करते हैं। समय आ गया है कि अब इन बातों को लागू किया जाए और सी.बी.आई. को स्वतंत्र एजैंसी बनाया जाए, जहां पर वह अपने आका की आवाज न बने और शक्ति का दुरूपयोग न करे। न्यायालय का संदेश स्पष्ट है कि न्याय में देरी हो सकती है, किंतु इससे वंचित नहीं रखा जाना चाहिए। अब गेंद सरकार के पाले में है। क्या सी.बी.आई. सरकार द्वारा निर्देशित होगी या कानून द्वारा?

जो तटस्थ हैं समय लिखेगा उनका भी इतिहास

अरविन्द मोहन

वैसे तो दुनिया में अभी भी पांच-छह युद्ध जारी है और उनकी गंभीरता को कम नहीं माना जा सकता। लेकिन ईरान पर इजरायल और अमेरिकी हमले के बाद लड़ाई ने जो स्वरूप लिया है वह भयावह है और विश्वयुद्ध ज्यादा दूर नहीं लगता और पुराने दो विश्वयुद्धों से अलग बात यह है कि यह यूरोप की जमीन पर होने की जगह एशिया को अखाड़ा बनाए हुए है और अमेरिका दूर बैठा सारे तमाशे कर रहा है। अभी हमारे ऊपर सीधा हमला नहीं हुआ है न हमारी सीधी भागीदारी है लेकिन अर्थव्यवस्था, राजनयन, इतिहास, संस्कृति और समाज से लेकर हर स्तर पर हमारी इस इलाके से ऐसी भागीदारी है कि हम इससे अप्रभावित नहीं रह सकते। एक तो यह हमारे पास है। दूसरे करीब एक करोड़ भारतीय इस इलाके के उन देशों में रहकर काम करते हैं जहां युद्ध अपने पूरे रौद्र रूप में शुरू हो चुका है। उनकी कमाई और रोजी-रोटी से ज्यादा उनकी जान की बन आई है और उनसे जुड़े हिन्दुस्तानी परिवारों और पूरे हिन्दुस्तान में बेचैनी महसूस की जा रही है। फिर तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित होने लगी है जिसका असर कितना और कैसा होगा इसकी कल्पना मुश्किल है। जंगी विस्फोटों और तेल तथा गैस के ठिकानों से होने वाले प्रदूषण का असर भी कहीं एक जगह भर नहीं रुकेगा। जंग वैसे भी कितने स्थायी दोस्त और उससे ज्यादा दुश्मन बना देता है। भारत ने युद्ध के अरब देशों में पसरने और ईरान द्वारा अमेरिकापरस्त अरब देशों के ठिकानों पर आक्रमण करने के बाद शांति और अयुद्ध के पक्ष में बयान दिया है लेकिन अभी भी काफी सारे लोगों को इंतजार ही है कि वह ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई और उनके साथियों की हत्या की निंदा करे, ईरान पर इजरायली हमले और अमेरिकी दखल की निंदा करे। उसके बगैर उसका बयान अधूरा है और यही गिना जाएगा कि वह इजरायल और अमेरिका की कार्रवाई के पक्ष में है। इसमें यह तथ्य और जुड़ जाएगा कि हमले से ठीक पहले हमारे प्रधानमंत्री की इजरायल यात्रा होती है और वहां की संसद को संबोधित करने वाले वे पहले भारतीय प्रधानमंत्री बन जाते हैं। वैसे भी भाजपा और संघ इजरायल का पक्षधर रहा है। अनेक समझौतों के साथ वह गर्मजोशी भी इसी पक्ष में गईं ली जाएगी जो मोदी और नेतन्याहू के बीच दिखी। इस बीच भारत ने मुश्किल ठिकानों पर फंसे हिंदुस्तानियों को स्वदेश लाने का काम जरूर शुरू कर दिया है। लेकिन जब संख्या करोड़ के आसपास हो तो यह काम कैसा और कितना मुश्किल है यह भी कल्पना की जा सकती है। जंग शुरू करने के पीछे अमेरिका या इजरायल की मंशा ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से रोकना या उसके परमाणु ठिकानों को ध्वस्त करना है। इस थ्योरी को आज कोई नहीं मानता, बल्कि अभी तक ईरान पर जो हमले हुए हैं उनमें स्कूल तो निशाने पर आये हैं लेकिन किसी परमाणु ठिकाने का नंबर नहीं आया है और अभी तक ईरान का जो रवैया है और ईरानी आमजन में जो प्रतिक्रिया है उससे लगता नहीं कि वह बहुत आसानी से हथियार डालेगा या अमेरिका आसानी से उसके यहां वेनेजुएला जैसा सत्ता परिवर्तन करा लेगा। लगभग पचास साल से सत्ता पर काबिज मौजूदा सैनिक और धार्मिक जमात का ईरानी गठजोड़ वैसे भी इतना मजबूत बन चुका है कि वह किसी 86 साल के बूढ़े नेता के न रहने के चलते बिखरने वाला नहीं है। अमेरिका ईरान में अपने सैनिक या सहयोगी सैनिक भेजकर वहां की लड़ाई में टिक पाएगा इसकी गुंजाइश भी नहीं लगती। वैसे भी अमेरिका ईरान में सत्ता परिवर्तन कराने का खेल खेलकर मात खा चुका है। यह लड़ाई कभी औरतों के नाम पर होती है कभी लोकतंत्र के नाम पर। अब वह सीधे जंग में उतरने के बाद ये नाम भी नहीं ले सकता और वियतनाम से लेकर दुनिया भर के अनुभव बताते हैं कि वह इतने नाराज देश की सरजमीं पर कदम भी रखने से बचेगा। वह बाहरी खेल से सत्ता परिवर्तन जरूर चाहेगा। हमारे लिए ईरान और खामेनेई के पक्ष में बयान भी न दे पाने की वजह ईरानी शासन का अभी तक चला स्वरूप ही है। इसमें भाजपा का इजरायल और मुसलमान श्प्रेमश तो कारण है ही प्रधानमंत्री की ट्रम्प से श्मैत्रीश भी एक कारण है। लेकिन सच कहें तो सबसे बड़ा कारण ईरान शासन का अब तक का रिकार्ड भी है जो सही मतलब में लोकतंत्र और औरतों या दूसरे पंथों के खिलाफ रहा है। लेकिन इन सबके बावजूद इसी सरकार ने उससे व्यापारिक और अन्य संबंध रखे थे, प्रधानमंत्री वहां दौरा भी कर आये थे। और चाबहार बंदरगाह वाली संधि करके फूले न समाते थे पर उससे भी बड़ी बात यह है कि खामेनेई की मौत के बाद ईरान का कसूर कम हो गया है और इजरायल तथा अमेरिका का कसूर प्रमुख बन गया है। ऐसा भी हो गया है कि आज ईरान खाड़ी के आधा दर्जन से ज्यादा अमेरिकापरस्त देशों के नागरिक ठिकानों पर सीधे हमला करने की गलती कर रहा है तब भी उसका कसूर कम लगता है। जिस बेहयाई और बर्बर ढंग से उसके शासन प्रमुख की हत्या की गई है और उसके यहां हमले हो रहे हैं उसमें हर जवाबी कार्रवाई को श्उचितश बताने के पर्याप्त तर्क मौजूद हैं। इसलिए भारत द्वारा शांति, अयुद्ध और स्थिरता के पक्ष में बयान देना सही हो सकता है लेकिन यह अपर्याप्त है।

सोनिया की सही सलाह

ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल द्वारा छेड़ा गया युद्ध अब गंभीर मोड़ पर पहुंचता दिख रहा है। इसमें फिलहाल तसल्ली इसी बात की नजर आ रही है कि आशंकाओं के विपरीत अब विश्वयुद्ध जैसे हालात नहीं बने हैं। नाटो देशों ने इस युद्ध से एक दूरी बनाई है, जिससे युद्ध का दायरा वैश्विक स्तर पर नहीं बढ़ रहा है। हालांकि इजरायल ने ईरान का साथ देने वाले हिज्बुल्ला पर हमला बोलने के लिए लेबनान पर ही मिसाइलें दागना शुरू किया है। जबकि लेबनान खुद हिज्बुल्ला के साथ नहीं है। मगर युद्धपिपासु नेतन्याहू अपने आक्रमणों का दायरा बढ़ाते जा रहे हैं। वहीं अमेरिका की भी कोशिश यही है कि किसी भी तरह उसे बाकी देशों का साथ मिले। फ्रांस, इटली, ब्रिटेन जैसे देश साफ कर चुके हैं कि उन्हें इस युद्ध का सहभागी बनने में कोई रुचि नहीं है। वहीं कई देश ऐसे हैं, जिन्होंने न ईरान न इजरायल और अमेरिका किसी की भी तरफ झुकाव दिखाया, लेकिन दोनों पक्षों से युद्ध रोकने की अपील की। मगर नरेन्द्र मोदी ने पहले दिन से इजरायल और अमेरिका के लिए अपनी प्रतिबद्धता जाहिर कर दी। जिस पर विपक्ष ने सवाल उठाए तो भाजपा की पूरी ब्रिगेड नरेन्द्र मोदी के बचाव में उतर गई और साथ ही सोशल मीडिया की सेना भी इस काम में लगा दी गई है। ईरान में अयातुल्लाह खामेनेई के कारण महिलाओं को कितना दबाया जा रहा था, उनके अधिकारों का हनन हो रहा था, स्त्रियां सुरक्षित नहीं थीं, ऐसे तमाम आरोपों के साथ वीडियो शेयर किए जा रहे हैं। अब सवाल ये है कि क्या ईरान की महिलाओं की चिंता करने वालों ने अपने देश में मनुस्मृति को पूरी तरह भुला दिया है, जिसने स्त्री अधिकारों को हर तरह से खारिज किया है। रहा सवाल ईरानी सरकार से वहां की जनता की नाराजगी का, तो उसे बनाए रखना या सत्ता से हटाना या उसके खिलाफ आंदोलन करना या उसके फैसलों को चुपचाप बर्दाश्त करना, यह सब केवल और केवल उसी का अधिकार है। इसमें अमेरिका या इजरायल का तो कोई लेना-देना ही नहीं होना चाहिए। मगर भाजपा यही साबित कर रही है कि ईरान पर आक्रमण करना सही था। विदेश नीति में किए गए इस आमूलचूल बदलाव पर चिंता जाहिर करते हुए कांग्रेस सांसद और संसदीय दल की अध्यक्षा सोनिया गांधी का एक आलेख मंगलवार को श्इंडियन एक्सप्रेसश में प्रकाशित हुआ, जिसमें उन्होंने लिखा कि एक मार्च को ईरान ने पुष्टि की कि उसके सर्वोच्च नेता की हत्या एक दिन पहले अमेरिका और इजरायल द्वारा किए गए लक्षित हमलों में हुई। यह हत्या तब हुई जब वाताएं जारी थीं। सोनिया गांधी ने कहा कि किसी सत्तारूढ़ राष्ट्राध्यक्ष की इस तरह की हत्या अंतरराष्ट्रीय संबंधों में गंभीर विघटन का संकेत है। उन्होंने इस पूरे मुद्दे पर संसद में चर्चा की मांग की। सोनिया गांधी ने आरोप लगाया कि भारत सरकार ने न तो इस हत्या की निंदा की और न ही ईरान की संप्रभुता के उल्लंघन पर स्पष्ट प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुरूआत में अमेरिका-इजरायल के हमलों का उल्लेख किए बिना केवल ईरान की संयुक्त अरब अमीरात पर जवाबी कार्रवाई की आलोचना की। उन्होंने यह भी कहा कि बाद में प्रधानमंत्री ने गहरी चिंता जताई और संवाद और कूटनीति की सामान्य बात कही, जबकि हमलों से पहले यही प्रक्रिया जारी थी। सोनिया गांधी ने अपने लेख में संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के अनुच्छेद 2(4) का जिक्र किया। उनके मुताबिक, बिना औपचारिक युद्ध घोषणा के और कूटनीतिक प्रक्रिया के दौरान किसी राष्ट्राध्यक्ष की हत्या करना उस भावना के विपरीत है, जो किसी भी देश की क्षेत्रीय अखंडता या राजनीतिक स्वतंत्रता के खिलाफ बल प्रयोग पर रोक लगाती है। उन्होंने तर्क दिया कि अगर ऐसे मामलों में दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की ओर से सिद्धांत आधारित आपत्ति दर्ज नहीं होती, तो अंतरराष्ट्रीय मानकों का क्षरण सामान्य होता जाएगा। सोनिया गांधी ने यह भी लिखा कि जब वैश्विक दक्षिण के कई देश और ब्रिक्स साझेदार दूरी बनाए हुए थे, उस समय भारत का यह रुख गलत संदेश दे सकता है। उन्होंने कहा कि इससे भारत की विदेश नीति की दिशा और विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं। नरेन्द्र मोदी या भाजपा में उनके आज के सलाहकारों की लोकतंत्र में जरा सी भी आस्था होती तो सोनिया गांधी के इन विचारों पर गौर किया जाता। मगर अब उल्टा उन्हीं पर आक्रमण शुरू हो गए हैं। एक नेता ने कहा कि हमें विदेश नीति आपसे सीखने की जरूरत नहीं है, आप अपनी पार्टी संभालिए, जिसे लगातार हार मिल रही है। वहीं एक अन्य नेता ने याद दिलाया कि पं. नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी गुटनिरपेक्षता पर चल रहे थे और अब भी वही हो रहा है।

मैं बस घर जाना चाहता हूं', आखिर क्यों निराश हुए वेस्टइंडीज के कोच सैमी ?

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज की टीम फिलहाल भारत में ही फंसी हुई है और अब मुख्य कोच डेरेन सैमी का धैर्य जवाब दे रहा है। सैमी ने कहा कि वह बस किसी भी तरह अब अपने घर जाना चाहते हैं। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम को सुपर-8 के अपने आखिरी मुकाबले में भारत के खिलाफ पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के साथ ही वेस्टइंडीज का सफर टी20 विश्व कप 2026 से समाप्त हो गया था। विश्व कप में सफर समाप्त होने के बावजूद वेस्टइंडीज की टीम स्वदेश नहीं लौट पा रही है। अब वेस्टइंटीज के मुख्य कोच डेरेन सैमी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए अपनी निराशा जाहिर की है। एयरस्पेस बंद होने से बढ़ी मुश्किल सैमी ने एक्स पर लिखा, 'मैं बस घर जाना चाहता हूं।' ईरान और इस्राइल के बीच चल रहे युद्ध की वजह से हवाई यातायात प्रभावित हुआ है। इसी वजह से वेस्टइंडीज की टीम पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक स्वदेश नहीं लौट सकी है। उनके लौटने का इंतजार बढ़ता जा रहा है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि टी20 विश्व कप से बाहर होने के बाद अंतरराष्ट्रीय एयरस्पेस पाबंदियों के कारण भारत से सीनियर पुरुष टीम के लौटने में देरी हुई है।

अनीत पड्डा से लेकर सारा अर्जुन तक..डेब्यू करने वाली इन एक्ट्रेसेस ने अपने अभिनय से दर्शकों को किया प्रभावित

हिंदी सिनेमा हर साल नए कलाकारों को मौका देता है और उनमें से कुछ कलाकार अपने पहले ही काम से दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ देते हैं। हाल के समय में जिन नई अभिनेत्रियों ने अपने डेब्यू से लोगों का ध्यान खींचा है, उनमें अनीत पड्डा, सारा अर्जुन और अदिति भाटिया के नाम खास तौर पर शामिल हैं। अलग-अलग पृष्ठभूमि से आने के बावजूद, इन तीनों ने अपनी मजबूत स्क्रीन प्रेजेंस और अच्छे अभिनय से खुद को अलग पहचान दिलाई है। अनीत पड्डा ने फिल्म सैयारा के साथ सिनेमा की दुनिया में कदम रखा और अपने अभिनय से दर्शकों का ध्यान खींचा। अपने किरदार में उन्होंने ताजगी और सच्चाई दिखाई, जिससे उनका अभिनय काफी सहज और स्वाभाविक लगा। भावनाओं को सही तरीके से दिखाने और दर्शकों से जुड़ने की उनकी क्षमता ने उनके डेब्यू को खास बना दिया। इसी वजह से उन्हें इंडस्ट्री के नए और उभरते चेहरों में गिना जा रहा है। सारा अर्जुन बहुत छोटी उम्र से ही मनोरंजन जगत से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरूआत एक बाल कलाकार के रूप में की थी। समय के साथ उन्होंने कई अच्छे प्रोजेक्ट्स में काम किया और अपनी अभिनय क्षमता को साबित किया। अब फिल्म ह्धुरंधरह्व के साथ सारा अपने करियर के नए दौर में कदम रख रही हैं। इस फिल्म में वह एक ज्यादा परिपक्व और मजबूत भूमिका निभा रही हैं। उनकी आत्मविश्वास भरी स्क्रीन प्रेजेंस और गहरी भावनाएं दिखाने की क्षमता उनके अनुभव को साफ दिखाती है। अदिति भाटिया ने भी अपने करियर की शुरूआत एक बाल कलाकार के रूप में की थी। इसके साथ ही वह विज्ञापन की दुनिया में भी काफी समय से काम कर रही हैं और कई विज्ञापनों में दिखाई दे चुकी हैं। अब फिल्म द केरला स्टोरी 2 के साथ वह मुख्य अभिनेत्री के रूप में बड़े पर्दे पर डेब्यू कर रही हैं।

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की शादी में शामिल हुए शाहरुख खान और आमिर

गौरी और बेटी सुहाना ने दिए पोज

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर और सानिया चंदोक की शादी में कई सितारें लगातार शामिल हो रहे हैं। शाहरुख खान अपनी पत्नी गौरी खान और बेटी सुहाना खान के साथ पहुंचे, जबकि आमिर खान चमकीली शेरवानी में अकेले नजर आए। सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर ने आज 5 मार्च 2026 को मुंबई में सानिया चंदोक से शादी कर ली है। यह शादी साल की सबसे बड़ी और चर्चित शादियों में से एक है। इस शादी में बॉलीवुड, क्रिकेट और बिजनेस जगत की कई बड़ी हस्तियां शामिल हुईं। परिवार संग शादी में शामिल हुए शाहरुख खान शाहरुख खान अपनी पत्नी गौरी खान और बेटी सुहाना खान के साथ शादी में पहुंचे। वे सभी पारंपरिक कपड़ों में बहुत अच्छे लग रहे हैं। गौरी सुनहरी साड़ी में शानदार दिखीं, जबकि सुहाना ने हल्के सुनहरे लहंगे में सबका ध्यान

खींचा। शाहरुख ने आने पर अपने मशहूर अंदाज में सबको सलाम किया। आमिर खान की खास मौजूदगी शाहरुख खान के अलावा अर्जुन तेंदुलकर की शादी में आमिर खान भी शामिल हुए। इस शादी में आमिर अकेले पहुंचे और चमकीली शेरवानी पहनकर पैपराजी को जमकर पोज दिए। अर्जुन तेंदुलकर की शादी में कई सेलेब्स हुए शामिल अर्जुन तेंदुलकर और सानिया चंदोक की शादी शादी में अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, ऐश्वर्या राय बच्चन, फरहान अख्तर और गायिका आशा भोसले भी नजर आए। क्रिकेट जगत से एमएस धोनी, सुरेश रैना, श्रेयस अय्यर, पृथ्वी शॉ, इरफान पठान, हरभजन सिंह जैसे कई स्टार खिलाड़ी आए। इसके अलावा आईसीसी के जय शाह और कई बड़े बिजनेसमैन भी शामिल हुए। शादी से पहले हुई अर्जुन और सानिया की सगाई अर्जुन और सानिया की सगाई अगस्त 2025 में प्राइवेट तरीके से हुई थी। शादी की रस्में 3 मार्च से शुरू हुईं, जिसमें मेहंदी और संगीत जैसे पारंपरिक कार्यक्रम हुए। मुख्य शादी 5 मार्च को मुंबई में भव्य तरीके से हुई। सानिया चंदोक कौन हैं? सानिया मुंबई के एक बड़े बिजनेस परिवार से हैं। वह उद्योगपति रवि घई की पोती हैं। यह शादी क्रिकेट, फिल्म और बिजनेस की दुनिया को एक साथ लाने वाला खास मौका बना। यह एक यादगार और भव्य शादी रही, जिसमें शामिल हुए सभी सितारों, क्रिकेटर्स और बाकी मेहमानों ने नवविवाहित जोड़े को ढेर सारा प्यार और आशीर्वाद दिया।

भूत बंगला के सेट पर अक्षय कुमार-शिखर धवन का क्रिकेट धमाल, क्रू को दी कैश प्राइज की चुनौती

14 साल के लंबे इंतजार के बाद, बॉलीवुड की मशहूर एक्टर-डायरेक्टर जोड़ी अक्षय कुमार और प्रियदर्शन भूत बंगला के लिए फिर से साथ आ रहे हैं, और इस खबर ने फैन्स के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट पैदा कर दी है। ये दोनों हिंदी सिनेमा को कुछ सबसे पसंदीदा कॉमेडी फिल्में देने के लिए जाने जाते हैं। इस बार, वे एक हॉरर-कॉमेडी के साथ वापसी कर रहे हैं जो डर और हंसी दोनों का वादा करती है। बालाजी मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म से उनके सिग्नेचर ह्यूमर, परफेक्ट कॉमिक टाइमिंग और उस क्लीन फैमिली एंटरटेनमेंट के वापस आने की उम्मीद है जिसने उनकी पिछली फिल्मों को इतना पॉपुलर बनाया था। हाल ही में श्भूत बंगलाश का सेट एक मिनी क्रिकेट ग्राउंड में बदल गया जब अक्षय कुमार अपनी

वही संक्रामक एनर्जी कैमरे के पीछे भी ले आए। पर्दे के पीछे के एक मजेदार वीडियो में, सुपरस्टार किसी और के साथ नहीं बल्कि शिखर धवन के साथ क्रिकेट खेलते नजर आए, जिसे देख क्रू मेंबर्स ऐसे चीयर करने लगे जैसे कोई स्टेडियम मैच चल रहा हो। जो एक कैजुअल गेम के तौर पर शुरू हुआ था, वो देखते ही देखते सेट पर एक फुल-ऑन क्रिकेट फीवर में बदल गया, जहाँ शॉट्स के बीच हंसी-मजाक और टीम स्पिरिट छाई रही। मजा तब और बढ़ गया जब अक्षय ने पूरे क्रू को एक ओपन चौलेंज दे दिया और जीतने वाली टीम के लिए नकद इनाम का ऐलान भी कर दिया। इस दोस्ताना मुकाबले ने सेट पर एक अलग ही रोमांच और भाईचारा भर दिया, जिससे यह साफ हो गया कि फिल्म के डर और पागलपन के अलावा, सेट पर टीम वर्क और मस्ती का राज था। मेकर्स ने हाल ही में फिल्म का पहला गाना राम जी आके भला करेंगे रिलीज किया है, और रिलीज के बाद से ही इसने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। यह गाना फिलहाल सभी प्लेटफॉर्म पर ट्रेंड कर रहा है और फैन्स को इसका वाइब्रेंट अंदाज बहुत पसंद आ रहा है। अक्षय कुमार की वही जबरदस्त एनर्जी, सटीक कॉमिक टाइमिंग और शानदार डांस मूव्स ने पुरानी यादें ताजा कर दी हैं, जो दर्शकों को उनकी क्लासिक फिल्मों की याद दिलाती हैं। घ्बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड के एक डिवीजन, बालाजी मोशन पिक्चर्स ने केप ऑफ गुड फिल्म्स के साथ मिलकर भूत बंगला पेश किया है, जिसमें अक्षय कुमार, वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव नजर आएंगे।

मोटी कहकर गाने से किया था बाहर, छलका आयशा खान का दर्द

कहा–हर दिन रेप की धमकियां मिलती

एक्ट्रेस आयशा खान धुरंधर के गाने शरारत में नजर आने के बाद से काफी सुर्खियों में हैं। गाने में उनकी परफॉर्मेंस को लोगों ने खूब पसंद किया। वहीं, हाल ही में इस एक्ट्रेस ने बॉडी साइज की वजह से एक गाने से बाहर किए जाने पर अपना दर्द बयां किया। इसके साथ ही उन्होंने खुलासा किया कि इंस्टाग्राम पर उन्हें रोज सेक्शुअलाइज किया जाता है और रेप की धमकियां तक मिलती हैं। आयशा खान ने ट्रोल्स और रेप धमकियों पर की खुलकर बात करते हुए एक इवेंट में बताया कि जब वो 12वीं क्लास में थीं, तब उन्हें टी-सीरीज के एक गाने में सेकेंड लीड के तौर पर लिया गया था। लेकिन शूट से एक रात पहले ही उन्हें मोटी कहकर बाहर कर दिया गया। आयशा ने खुलासा किया कि मुझे लगभग हर दिन इंस्टाग्राम पर मेरी बॉडी को लेकर सेक्शुअलाइज किया जाता है। मैं नॉर्मल सा टॉप पहनूं तो लोगों को दिक्कत, स्कर्ट पहनूं तो भी दिक्कत। मुझे कुछ भी पोस्ट करने से पहले सोचना पड़ता है। अगर मुझे सिर्फ इसलिए कपड़े पहनने या कुछ पोस्ट करने से पहले सोचना पड़े कि कोई मुझे गलत नजर से देखेगा, तो ये बहुत दुख की बात है। कभी-कभी मैं सोचती हूं कि जो मन में आए वो पोस्ट कर दूं, लेकिन कई बार ऐसे भद्दे कमेंट पढ़ने का मन नहीं होता, जिनमें लोग लिखते हैं कि मौका मिले तो वो मेरे साथ क्या करेंगे। आयशा ने आगे कहा, जो लोग ऐसे कमेंट करते हैं, अगर उनके पास ताकत होती तो शायद वो वही करते जो लिखते हैं। यही बात डराती है कि ये सिर्फ शब्द नहीं, असली लोग हैं जो हमारे आसपास ही रहते हैं। मुझे लगभग हर दिन रेप की धमकियां मिलती हैं। काश इसके खिलाफ कुछ सख्त कदम उठाए जाएं। कई बार ये बातें मेरे पुराने जख्मों को हरा कर देती हैं और डर लगता है कि अगर मैं आज जितनी पहचान और ताकत नहीं रखती, तो शायद कुछ गलत हो सकता था। बता दें, आयशा खान को टीवी रियलिटी शो बिग बॉस 17 से खूब फेम मिला। उन्होंने अपने करियर की शुरूआत जूनियर आर्टिस्ट के तौर पर की थी। उन्होंने एकता कपूर के प्रोड्यूस किए गए टीवी शो कसौटी जिंदगी की से टीवी में डेब्यू किया। इसके बाद वो बालवीर रिटर्न्स में नजर आईं। साल 2022 में उन्होंने तेलुगु फिल्म मुखचित्रम से साउथ इंडस्ट्री में कदम रखा। इसके बाद वह फिल्म जाट में सपोर्टिंग रोल में दिखीं। हाल ही में उन्हें कपिल शर्मा की फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 में देखा गया वहीं फिल्म धुरंधर के स्पेशल सॉन्ग शरारत में क्रिस्टल डिसूजा के साथ भी उनकी परफॉर्मेंस को खूब सराहा गया।

नाना पाटेकर की तिरंगा में नजर आई अभिनेत्री ठगी का शिकार

वर्षा उसगांवकर के साथ लाखों रुपये की धोखाधड़ी

फिल्म तिरंगा में नाना पाटेकर के अपोजिट अभिनेत्री वर्षा उसगांवकर नजर आई थीं। यह एक्ट्रेस बड़ी ठगी का शिकार हुईं।

जानिए, वर्षा के साथ कैसे हुई धोखाधड़ी? वर्षा उसगांवकर हिंदी और मराठी फिल्मों का जाना-माना नाम हैं। हाल ही में मुंबई पुलिस ने जानकारी साझा की कि कई लोगों समेत अभिनेत्री वर्षा उसगांवकर भी ठगी और धोखाधड़ी का शिकार हुईं। एक्ट्रेस के अलावा कई लोगों से लगभग 47 लाख रुपये ठगे गए हैं। जानिए, क्या है ये पूरा मामला। मुंबई पुलिस के मुताबिक मराठी एक्ट्रेस वर्षा उसगांवकर के अलावा कई लोगों ने एक व्यक्ति ने लाखों रुपये की ठगी की है। एक बिल्डर और प्रोड्यूसर बनकर इस व्यक्ति ने करीब 47 लाख रुपये ठगे हैं। यह मामला मराठी फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ा है। आरोपी ने ठगी करने के बाद दी धमकी मुंबई पुलिस के मुताबिक अविनाश जाधव के खिलाफ शिकायत मराठी थिएटर और फिल्म एक्ट्रेस मृणालिनी सुभाष जांभाले ने की है। वह अविनाश को प्रोफेशनल जानती थीं। इस व्यक्ति ने खुद को बिल्डर और प्रोड्यूसर बताया। एक कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट में इंवेस्ट करने पर ज्यादा रिटर्न का वादा किया। नवंबर 2019 और फरवरी 2020 के बीच, मृणालिनी जांभाले, वर्षा उसगांवकर और तीन अन्य लोगों ने आरोपी को 47 लाख रुपये ट्रांसफर किए। इस व्यक्ति ने रिटर्न के तौर पर कुछ पैसा लौटाया। फिर बाद में पेमेंट करना बंद कर दिया। बार-बार कॉन्टैक्ट करने के बाद मोबाइल बंद कर दिया। साथ ही पैसा मांगने वाली एक्ट्रेस को धमकी भी दी। पुलिस अभी जांच कर रही हैं कि आरोपी ने अब तक कितने और लोंगो को फंसाया है।

पति संग पैपराजी को पोज दे रही थी अविका, अचानक हुई तबीयत में गड़बड़, फैंस लगाने लगे खुशखबरी के कयास

टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस अविका गोर हाल ही में अपने पति मिलिंद चंदवानी के साथ स्पॉट हुईं। इस दौरान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक्ट्रेस अचानक असहज महसूस करती नजर आईं। वीडियो सामने आने के बाद फैंस के बीच तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। कई तो उनकी प्रेग्नेंसी के कयास लगाने लगे। वायरल वीडियो में अविका ग्रीन कलर की ड्रेस में बेहद खूबसूरत नजर आईं। वह पैपराजी के सामने पति मिलिंद के साथ पोज दे रही थीं कि इस बीच वह अचानक असहज महसूस करने लगीं और मिलिंद की ओर देखने लगीं। कुछ ही क्षण बाद वह एक तरफ मुड़ीं और उन्हें उल्टी होने लगी। यह देख उनके पति तुरंत उन्हें संभालते नजर आए। इस पूरे पल को वहां मौजूद पैपराजी के कैमरों ने रिकॉर्ड कर लिया, जो अब इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कुछ लोग इसे खुशखबरी से जोड़कर देख रहे हैं और कपल को बधाई दे रहे हैं, जबकि कुछ यूजर्स ने इसे ओवररिएक्शन या ड्रामा तक बता रहे हैं। हालांकि इससे पहले अविका गौर अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर चल रही अफवाहों पर सफाई दे चुकी हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था कि शादी के बाद अचानक उनके मां बनने की खबरें सामने आना उनके लिए भी हैरान करने वाला था और फिलहाल ऐसी कोई बात नहीं है। बता दें, अविका और मिलिंद की लव स्टोरी भी काफी दिलचस्प रही है। दोनों की मुलाकात साल 2020 में हैदराबाद में कुछ कॉमन दोस्तों के जरिए हुई थी। धीरे-धीरे उनकी दोस्ती गहरी हुई और फिर यह रिश्ता प्यार में बदल गया। कपल ने जून 2025 में अपनी सगाई की खबर फैंस के साथ शेयर की थी। इसके बाद 30 सितंबर 2025 को दोनों ने शादी कर ली। शादी के बाद से ही दोनों अक्सर साथ में नजर आते हैं और सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें और खास पलों की झलकियां भी शेयर करते रहते हैं।

एलेन ने 33 गेंदों में जड़ा शतक, न्यूजीलैंड के फाइनल में पहुंचने पर कही यह बात

कोलकाता। टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में फिन एलेन के 33 गेंदों में बनाए गए नाबाद शतक ने न्यूजीलैंड को दक्षिण अफ्रीका पर बड़ी जीत दिलाकर फाइनल में पहुंचा दिया। एलेन ने अपनी शानदार पारी का श्रेय भारत में खेली गई सीरीज और टीम की बेहतरीन तैयारी को दिया। वहीं दक्षिण अफ्रीका के कोच ने हार को चोक मानने से इनकार करते हुए इसे पूरी तरह एकतरफा मुकाबला बताया। न्यूजीलैंड के विस्फोटक ओपनर फिन एलेन ने टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में ऐसा तूफान खड़ा किया कि दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम देखते ही रह गई। कोलकाता के ईडन गार्डेन्स में खेले गए मुकाबले में एलेन ने सिर्फ 33 गेंदों में नाबाद शतक जड़कर अपनी टीम को नौ विकेट से शानदार जीत दिला दी। न्यूजीलैंड ने 170 रन के लक्ष्य को सिर्फ 12.5 ओवर में हासिल कर लिया और 43 गेंद पहले ही मैच खत्म कर दिया। एलेन ने अपने धमाकेदार शॉट्स से पूरे स्टेडियम में रोमांच भर दिया और दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। भारत सीरीज बनी एलेन की ताकत मैच के बाद एलेन ने अपनी इस शानदार पारी के पीछे भारत के खिलाफ खेली गई सीरीज को बड़ा कारण बताया। उनका मानना है कि विश्व कप से पहले भारत में खेली गई पांच मैचों की सीरीज ने टीम को यहां की परिस्थितियों को समझने में काफी मदद की। एलेन ने कहा, 'यह दिखाता है कि विश्व कप से पहले भारत में खेली गई सीरीज कितनी अहम थी। काली मिट्टी की पिचों पर पांच मैच खेलने से हमें काफी अनुभव मिला, ऐसी तैयारी को दोहराना आसान नहीं होता।'

किम जोंग उन का दावा

परमाणु ताकत से लैस होगी उत्तर कोरिया की नौसेना; नए युद्धपोत का किया निरीक्षण

सियोल (एजेंसी)। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने नए युद्धपोत का निरीक्षण किया और मिसाइल परीक्षण देखे। उन्होंने अपनी नौसेना को परमाणु हथियारों से लैस करने का संकल्प लिया है। किम ने हर साल दो नए युद्धपोत बनाने का लक्ष्य रखा है। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपनी नौसेना की ताकत बढ़ाने के लिए बड़े कदम उठाए हैं। उन्होंने लगातार दो दिनों तक नए युद्धपोत (डिस्ट्रॉयर) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने युद्धपोत से दागी गई क्रूज मिसाइलों का परीक्षण भी देखा। किम ने अपनी नौसेना को परमाणु हथियारों से और अधिक मजबूत करने का वादा किया है। सरकारी मीडिया ने गुरुवार को इस दौरे की जानकारी दी। किम जोंग उन ने मंगलवार और बुधवार को नम्पो के पश्चिमी शिपयार्ड का दौरा किया। वहां उन्होंने 5,000 टन के युद्धपोत 'चोन' जैसी श्रेणी के तीसरे जहाज के निर्माण कार्य का जायजा लिया। किम ने कहा कि 'चोन' का विकास उनकी सेना की मारक क्षमता बढ़ाने की दिशा में एक बड़ी प्रगति है। यह जहाज परमाणु क्षमता वाली बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों को दागने के लिए बनाया गया है। दक्षिण कोरियाई विशेषज्ञों का मानना है कि इस जहाज को बनाने में रूस ने मदद की है। हालांकि, कुछ लोग इसकी कार्यक्षमता पर संदेह भी जता रहे हैं। पिछले साल मई में इसी श्रेणी का दूसरा जहाज लॉन्चिंग के दौरान खराब हो गया था। इस नाकामी पर किम जोंग उन ने बहुत गुस्सा जाहिर किया था। उन्होंने इसे एक अपराध बताया था। उस जहाज का नाम 'कांग कोन' था, जिसे मरम्मत के बाद जून में फिर से लॉन्च किया गया। किम ने अब लक्ष्य रखा है कि अगले पांच वर्षों तक हर साल दो बड़े युद्धपोत बनाए जाएंगे। उनका पूरा ध्यान अब नौसेना की क्षमता बढ़ाने पर है। इसमें परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियां बनाना भी शामिल है। नम्पो शिपयार्ड में बन रहा तीसरा युद्धपोत अक्टूबर तक पूरा होने की उम्मीद है। किम जोंग उन ने दावा किया कि नौसेना को परमाणु हथियारों से लैस करने की कोशिशों में अच्छी प्रगति हो रही है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव समुद्री सीमाओं की रक्षा में बड़ी भूमिका निभाएगा। जानकारों का कहना है कि उत्तर कोरिया एक नई समुद्री सीमा घोषित करने की तैयारी में है।

सीआईडी ने तेज की मामले की जांच, वीएसआर कंपनी के अधिकारियों से की पूछताछ

पुणे (एजेंसी)। पुणे के बारामती में हुए विमान हादसे में अजित पावर की मौत के मामले में महाराष्ट्र सीआईडी ने विमान कंपनी के अधिकारियों से पूछताछ की है। जांच एजेंसियां यह पता लगाना का प्रयास कर रही हैं कि यह दुर्घटना तकनीकी खामी, लापरवाही या किसी साजिश का परिणाम थी। महाराष्ट्र अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने गुरुवार को वीएसआर वेंचर्स के बड़े अधिकारियों से पूछताछ की। इसी कंपनी का विमान बारामती में हादसे का शिकार हुआ था, जिसमें उपमुख्यमंत्री अजित पवार की जान चली गई थी। सीआईडी के एक अधिकारी ने इस कार्रवाई की जानकारी दी है। हालांकि, जांच अभी चल रही है, इसलिए उन्होंने ज्यादा विवरण नहीं दिया। क्या है मामला? 28 जनवरी को पुणे जिले के बारामती एयर स्ट्रिप के पास वीएसआर वेंचर्स का 'लियरजेट 45' विमान क्रैश हो गया था। इस दुखद घटना में अजित पवार और चार अन्य लोगों की मौत हो गई थी। हादसे के बाद बारामती तालुका पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज हुआ था। बाद में इस केस की जांच पुणे सीआईडी को सौंप दी गई। जांच एजेंसी यह पता लगा रही है कि क्या इस हादसे के पीछे कोई साजिश थी या यह आपराधिक लापरवाही का मामला है। सूत्रों के मुताबिक, सीआईडी ने इस संबंध में कंपनी को कुछ सवालों की सूची भी भेजी थी। अब इस मामले में राजनीतिक बयानबाजी भी तेज है। एनसीपी (एसपी) विधायक रोहित पवार ने बुधवार को आरोप लगाया कि कोई वीएसआर वेंचर्स को बचाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की शुरूआती रिपोर्ट ने उनके शक को सही साबित किया है। एएआईबी की रिपोर्ट में क्या? एएआईबी की 22 पन्नों की रिपोर्ट में बताया गया है कि हादसे के समय दृश्यता (विजिबिलिटी) बहुत कम थी।

हिंद महासागर में अमेरिका ने डुबोया ईरानी युद्धपोत

बढ़ता टकराव भारत के लिए चिंताजनक कैसे ?

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष ने खाड़ी देशों के साथ दुनियाभर की चिंता बढ़ा दी है। ऐसे में अब इसका असर भारत पर कैसे पड़ने वाला है? यह सवाल आज इसलिए उठ रहा है, क्योंकि अमेरिकी पनडुब्बी ने हिंद महासागर में ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस देना को टॉरपीडो से ध्वस्त कर दिया। ईरान के इस युद्धपोत का तार भारत के साथ कैसे जुड़ा है और यह घटना भारत के सामरिक और समुद्री हितों को खतरे में कैसे डाल सकती है? आइए यहां समझते हैं। दुनिया की राजनीति अब अत्यधिक खतरनाक मोड़ पर पहुंच गई है। इसका कारण है कि अमेरिका और इस्राइल का ईरान पर किए गए हमले और फिर ईरान की ओर से जवाबी कार्रवाई ने खाड़ी देशों के साथ-साथ दुनियाभर की राजनीति में चिंता पैदा कर दी है। इस आधार पर यह कहना गलत नहीं होगा कि इस युद्ध की आग से उठे लपटें ने सिर्फ पश्चिम एशिया ही नहीं, बल्कि दक्षिण एशिया और अब भारतीय महासागर के पानी में भी उबाल आ गया है। तनाव इतना बढ़ चुका है कि एक अंतरराष्ट्रीय शक्ति ने टॉरपीडो तक चलाकर अपनी ताकत दिखा दी, जिससे भारत में चर्चा तेज हो गई है। आइए जानते हैं कि पश्चिम एशिया का युद्ध अब भारत के दरवाजे तक पहुंच गया? पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिकी पनडुब्बी ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय जल में ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस देना को टॉरपीडो से निशाना बनाया और ध्वस्त कर दिया। इस हमले से जहाज का मुख्य ढांचा टूट गया, जिससे बचाव दल को कोई जहाज नहीं मिला। गौर करने वाली बात यह है कि यह अमेरिका की द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली टॉरपीडो से युद्धपोत पर किया गया हमला है। भारत से कैसे है संबंध? इस बात को ऐसे समझिए कि जब ईरान के युद्धपोत पर अमेरिका का यह हमला हुआ, उस समय आईआरआईएस देना भारत में आंध्र प्रदेश के विशाखपटनम के विजाग से लौट रही थी, जहां उसने मिलान अंतरराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास और बंगाल की खाड़ी में अंतरराष्ट्रीय नौसैनिक रिव्यू में हिस्सा लिया था। हमला श्रीलंका के दक्षिणी तट के पास अंतरराष्ट्रीय जल में हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, जहाज पर लगभग 87 लोग मारे गए जबकि श्रीलंका की नौसेना ने लगभग 30 नाविकों को बचाया और उन्हें गाले, श्रीलंका के अस्पताल में भर्ती कराया। इस हमले से कैसे बढ़ी चिंता, ये भी समझिए बता दें कि यह हमला दशार्ता है कि अमेरिकी नौसेना अब भारतीय महासागर में भारी उपस्थिति बनाए हुए है। इस क्षेत्र में अमेरिका की पांचवीं फ्लेट, जो बहरीन में मुख्यालय रखती है, सबसे सक्रिय है। इसमें नाभिकीय पनडुब्बियां और बड़े युद्धपोत शामिल होते हैं। ऐसे में इस घटना ने भारत की सुरक्षा चिंता को बढ़ा दिया है। मामले में पूर्व नौसेना प्रमुख अधिरामन प्रकाश ने कहा कि यह दिखाता है कि ईरान-अमेरिका-इस्राइल युद्ध अब भारत के दरवाजे तक आ गया है। वहीं विशेषज्ञों का कहना है कि भारत को अपनी सुरक्षा और रणनीतिक हितों के लिए स्वतंत्र और समझदारी से कदम उठाने होंगे। भारतीय जलक्षेत्र में नहीं हुआ हमला हालांकि ध्यान देने वाली बात यह है कि यह हमला भारतीय जलक्षेत्र में नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय जल में हुआ, जिससे भारत और अमेरिका के बीच कोई कूटनीतिक विवाद नहीं हुआ।

युद्ध की छाया में भी अमेरिकी शेयर बाजार ने दिखाई ताकत, इतने फीसदी मजबूत हुआ एसएंडपी 500

वॉशिंगटन (एजेंसी)। ईरान-युद्ध और बढ़ती तेल कीमतों के बीच अमेरिकी शेयर बाजार ने राहत दी। एसएंडपी 500 1%, डॉव जोन्स 319 अंक और नैस्डैक 1.5% ऊपर, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 12.1% गिरा। तेल की कीमतें स्थिर हुईं, ब्रेंट 81.40 और अमेरिकी क्रूड 74.66 डॉलर पर। दुनियाभर की अर्थव्यवस्था युद्ध की छाया में थम सी गई थी, लेकिन अमेरिकी शेयर बाजार ने बुधवार को एक मजबूत वापसी दिखाकर निवेशकों को राहत दी। दो दिन की हड़कंप जैसी गिरावट के बाद एसएंडपी 500 इंडेक्स 1% बढ़ा और युद्ध के बाद हुए नुकसान को लगभग खत्म कर दिया। वहीं डॉव जोन्स औसत 319 अंक ऊपर गया, जबकि नैस्डैक कंपोजिट 1.5% मजबूत हुआ। शुरूआत में दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 12.1% गिर गया, जो उसकी इतिहास की सबसे बड़ी गिरावट थी। बता दें कि बाजार में अनिश्चितता का मुख्य कारण ईरान के साथ अमेरिका और इस्राइल का जारी युद्ध और फिर तेल की बढ़ती कीमतें रही। हालांकि बुधवाह को तेल की कीमतें भी स्थिर हुईं। ब्रेंट क्रूड का भाव 84 डॉलर से घटकर 81.40 डॉलर प्रति बैरल हो गया और अमेरिकी क्रूड का भाव 74.66 डॉलर पर रहा। बाजार को मिला अमेरिकी अर्थव्यवस्था से आए अच्छे संकेत का साथ देखा जाए तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था से आए अच्छे संकेतों ने भी बाजार को सहारा दिया। रिपोर्ट में बताया गया कि रियल एस्टेट, वित्त और अन्य सेवाओं में व्यापार की वृद्धि पिछले साल की तुलना में सबसे तेज गति से हुई। साथ ही कीमतों में बढ़ोतरी भी धीरे-धीरे हो रही थी, जो महंगाई के लिए सकारात्मक संकेत है।

आम चुनाव के लिए मतदान , मतदाताओं से चुनाव आयोग बोला- निर्भीक होकर डाले वोट

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में जेन-जी विद्रोह के बाद पहली बार गुरुवार को संसदीय चुनाव होने जा रहे हैं। 275 सीटों के लिए मतदान सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। 165 सीटें सीधे चुनाव और 110 सीटें समानुपातिक प्रणाली से भरी जाएंगी। चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और नेपाल की राजनीतिक स्थिरता के लिए अहम माना जा रहा है। नेपाल में जेन-जी विद्रोह के बाद पहली बार संसदीय चुनाव होने जा रहे हैं। गुरुवार को पूरे देश में मतदान कराया जाएगा। कार्यवाहक मुख्य निर्वाचन आयुक्त राम प्रसाद भंडारी ने मतदाताओं से बिना किसी डर के मतदान करने की अपील की है। उनका कहना है कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए लोगों का मतदान में हिस्सा लेना जरूरी है। इस चुनाव को नेपाल की राजनीतिक स्थिरता और लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अहम माना जा रहा है। नेपाल की संघीय संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की 275 सीटों के लिए मतदान होगा। इनमें से 165 सीटों पर फर्स्ट-पास्ट-द-पोस्ट प्रणाली के तहत सीधे चुनाव होगा, जबकि 110 सीटें समानुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के जरिए भरी जाएंगी। निर्वाचन आयोग के अनुसार मतदान सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक कराया जाएगा। आयोग का कहना है कि चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से कराने के लिए सभी जरूरी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जेन-जी विद्रोह के बाद पहली बड़ी लोकतांत्रिक परीक्षा नेपाल में यह चुनाव पिछले साल हुए जेन-जी विद्रोह के बाद हो रहा है। सितंबर में हुए इस आंदोलन के दौरान व्यापक हिंसा देखने को मिली थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार इस दौरान 77 लोगों की मौत हुई थी और लगभग 84 अरब नेपाली रुपए की निजी और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा था। इस घटना के बाद देश की राजनीतिक दिशा को लेकर अनिश्चितता पैदा हो गई थी।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रो पर निम्नलिखित कार्यं हेतु अनुभवी एवं स्थापित सक्षम ठेकेदारों द्वारा **ई–निविदायें सिंगिल पैकेट सिस्टम** द्वारा आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं.	106-टेली/टेंडर/30/2025-26		
कार्य का नाम	लखनऊ मंडल उत्तर रेलवे के शाहगंज रेलवे स्टेशन पर आईपीआईएस (सी. जी. डी. बी. टी. आई. बी और जी.पी.एस घड़ियों सहित) का संवर्धन और शाहगंज एवं अकबरपुर रेलवे स्टेशन पर आई.पी.आई.एस (सी.जी. डी. बी. टी. आई. बी और जी. पी. एस घड़ियों सहित) का जीर्णोद्धार का कार्य।		
अनुमानित लागत	₹ 1,27,63,269.69/-	निविदा प्रपत्र की कीमत	शून्य
धरोहर राशि	₹ 2,13,800.00/-	कार्य पूरा करने की अवधि	270 दिन
निविदा दस्तावेज जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय			24.03.2026 15:30 Hrs
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है।	www.ireps.gov.in वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/ मं.रे.प्र. कार्यालय परिसर/ उत्तर रेलवे/ लखनऊ		

ठेकेदारों को **ई–निविदा** सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेब साइट **www.ireps.gov.in** के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य हैं। •समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है। •मैनुउल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी। •निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेंगी।

निविदा सू. सं. 106-टेली/ टेंडर/30/2025-26 दिनांकः 03.03.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 736/2026

महाराष्ट्र में परिवहन क्षेत्र में अनिश्चितकालीन हड़ताल का एलान

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में ट्रांसपोर्टरों ने ई-चालान प्रणाली और बढ़ते कर-टोल के विरोध में गुरुवार से अनिश्चितकालीन राज्यव्यापी चक्का जाम का एलान किया है। महाराष्ट्र ट्रांसपोर्ट एक्शन कमेटी के अनुसार सरकार से बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकला। महाराष्ट्र में परिवहन क्षेत्र से जुड़े हजारों ट्रांसपोर्टरों ने राज्यव्यापी चक्का जाम का एलान किया है। यह विरोध प्रदर्शन गुरुवार से शुरू होकर अनिश्चितकालीन तक चलेगा। ट्रांसपोर्टरों का विरोध ई-चालान प्रणाली और क्षेत्र द्वारा सामना किए जा रहे अन्य मुद्दों के खिलाफ है। क्यों हो रहा विरोध? महाराष्ट्र ट्रांसपोर्ट एक्शन कमेटी (एम-टीएसी) के प्रतिनिधियों के अनुसार, बुधवार शाम को महाराष्ट्र परिवहन आयुक्त कार्यालय में हुई बातचीत के अंतिम दौर के बावजूद कोई समाधान नहीं निकल पाया। इसके बाद हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया गया। एम-टीएसी का कहना है कि यह आंदोलन मनमाने और अत्यधिक इलेक्ट्रॉनिक यातायात प्रवर्तन और परिवहन क्षेत्र पर बढ़ते वित्तीय बोझ के खिलाफ है। ट्रांसपोर्टरों की क्या मांगें? ट्रांसपोर्टरों की मांगों में ई-चालान प्रणाली में प्रमुख सुधार, लंबित जुमार्ना माफ करना और वाणिज्यिक वाहनों पर लगाए गए करों और टोल शुल्कों में कमी शामिल है। एम-टीएसी नेताओं का

दावा है कि ई-चालान प्रणाली ने न केवल परिवहन संचालकों बल्कि आम वाहन मालिकों को भी कठिनाई में डाला है। कैसे होगा हड़ताल? एम-टीएसी के प्रतिनिधियों के अनुसार, ट्रांसपोर्टर मुंबई के आजाद मैदान और राज्य के अन्य हिस्सों में क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों (आरटीओ) के बाहर विरोध प्रदर्शन करेंगे, जिसके बाद आधी रात से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू हो जाएगी। इस हड़ताल के कारण स्कूल बसें, अनुबंध वाहक बसें, निजी बसें और ट्रक, टेम्पो, टैक्सी और टैंकर जैसे वाणिज्यिक वाहन सड़कों से नदारद रहेंगे। ट्रांसपोर्टरों ने अपने वाहनों को विरोध स्थलों पर लाने की भी धमकी दी है। स्कूल बस मालिकों के संघ के एक लीडर अनिल गर्ग बताया कि अगर अनिश्चितकालीन हड़ताल होती है, तो शुक्रवार से राज्य भर की स्कूल बसें संचालित नहीं होंगी, हालांकि गुरुवार को उनकी सेवाएं सामान्य रहेंगी। सरकार और ट्रांसपोर्टरों के बीच हुई थी बैठक महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने इस सप्ताह की शुरूआत में ट्रांसपोर्टरों के साथ एक बैठक की थी, लेकिन एम-टीएसी ने सरकार से खोखले आश्वासनों के कारण बातचीत को निष्फल बताया। सरनाइक ने ट्रांसपोर्टरों से आंदोलन वापस लेने की अपील करते हुए कहा था कि सरकार अनुचित ई-चालान रद्द करने पर सकारात्मक है और इस मामले में अनुकूल निर्णय लेगी। एम-टीएमसी की प्रमुख मांग क्या है? एम-टीएसी ने सरकार से नियमों में प्रस्तावित संशोधन को वापस लेने या उसमें ढील देने की मांग की है। इसके तहत ट्रांसपोर्टरों को 45 दिनों के भीतर ई-चालान का जुमार्ना चुकाना होगा। ऐसा न करने पर उन्हें परमिट नवीनीकरण, फिटनेस प्रमाणन और अन्य नियामक मंजूरियों से संबंधित विभिन्न प्रतिबंधों का सामना करना पड़ेगा। चेक पोस्ट बंद करने और ड्राइवरों के लिए विश्राम गृह स्थापित करने की मांग इसके अलावा, एम-टीएसी ने राजमार्ग चेक पोस्ट बंद करने और ड्राइवरों के लिए विश्राम गृह या केंद्र स्थापित करने की मांग की है।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना

NER-LJN-2026-42 & NER-LJN-2026-43

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/ लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु आनलाईन 'खुली' ई–निविदायें आमंत्रित की जाती हैं जिसका विवरण नीचे निम्नवत है–

ई–निविदा संख्या– NER-LJN-2026-43, कार्य का नामः पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ डिवीजन में वरिष्ठ मडंल इंजीनियर/प्रथम के अनुभाग में गोरखपुर–गोंडा सेक्शन में फ्लैश बट वेल्डिंग का कार्य। अनुमानित लागत(रू0): ₹ 16272180.00, अग्रिम धन(रू0): ₹ 231400.00, समापन अवधिः 12 माह।

ई–निविदा संख्या– NER-LJN-2026-42, कार्य का नामः लखनऊ डिवीजन के वरिष्ठ मडंल इंजीनियर/प्रथम एवं वरिष्ठ मडंल इंजीनियर/तृतीय के अनुभाग में घिसे हुए सी0एम0एस0 क्रासिंग की मरम्मत का कार्य। अनुमानित लागत(रू0): ₹ 22730296.00, अग्रिम धन(रू0): ₹ 263700.00, समापन अवधिः 12 माह।

1.उपरोक्त ई–निविदा संख्या NER-LJN-2026-42 एवं NER-LJN-2026-43 के लिये ई–निविदा दिनांक 25.03.2026 को 15.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15.00 बजे के बाद ई–निविदा खोली जायेंगी। 2.उपरोक्त ई निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तो का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकार ई निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई–निविदा सूचना से सम्बन्धित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सनिश्चित करें।

मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग लखनऊ

मुजाधि/डब्लू–498

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

ईरानी जासूसों के दबाव में ट्रंप–बाइडन की हत्या की साजिश रची थी

लेकिन पकड़ा गया

ब्रुकलिन (एजेंसी)। अमेरिका की एक अदालत में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। एक पाकिस्तानी नागरिक ने गवाही देते हुए बताया है कि ईरानी खुफिया अधिकारियों ने उसे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन की हत्या की साजिश रचने के लिए मजबूर किया था। अमेरिकी राजनीतिक हस्तियों की हत्या की साजिश रचने के आरोपी पाकिस्तानी नागरिक ने बड़ा खुलासा किया है। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक उसने अमेरिकी अदालत को बताया कि ईरानी जासूसों ने उसे ट्रंप और बाइडन की हत्या की साजिश रचने के लिए मजबूर किया था। आसिफ मर्चेंट पर ईरान के साथ मिलकर शीर्ष अमेरिकी राजनेताओं की हत्या की साजिश रचने का मुकदमा शुरू हुआ है। परिवार की रक्षा के लिए साजिश में शामिल 47 वर्षीय आसिफ मर्चेंट ने बुधवार को अदालत में अपना पक्ष रखते हुए दावा किया कि अपने परिवार की रक्षा के लिए उन पर इस साजिश में शामिल होने का दबाव डाला गया था। ब्रुकलिन की एक संघीय अदालत में गवाही के दौरान

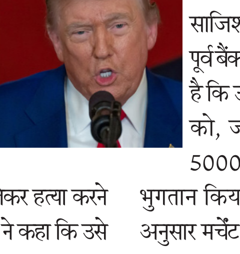

आतंकवाद और सुपारी लेकर हत्या करने के आरोपी आसिफ मर्चेंट ने कहा कि उसे यह कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा। आरोपी ने दावा किया कि तेहरान में रह रहे अपने परिवार को सुरक्षित रखने के लिए उसे मजबूरी में इस साजिश का हिस्सा बनना पड़ा। पूर्व बैंकर आसिफ मर्चेंट पर आरोप है कि उसने दो एफबीआई एजेंटों को, जो हत्यारे के भेष में थे 5000 अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया था। न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार मर्चेंट ने दावा किया कि अप्रैल 2024 में एक ईरानी हैंडलर ने उसे अमेरिका आकर 'किसी की हत्या करने' का निर्देश दिया था। हालांकि हैंडलर ने शुरू में किसी एक व्यक्ति का नाम नहीं लिया था, मर्चेंट ने गवाही दी कि उसे तीन लोगों के नाम बताए गए थे। उसने कहा, 'उन्होंने मुझे ठीक से नहीं बताया कि वह कौन है, लेकिन उन्होंने मुझे तीन लोगों के नाम बताएः डोनाल्ड ट्रंप, जो बाइडन और निक्की हेली। उस समय ट्रंप और बाइडेन 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के प्रमुख उम्मीदवार थे।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com । सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।